₹ 10

www.kewalsachtimes.com

मार्च 2025

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

नृशंस हत्या ने बदल दी औरत की परिभाषा

RNI NO.-BIHBIL/2011/49252, DAVP NO.-131729, POSTAL REG. NO.:-PS.-78

जन-जन की आवाज है केवल सच

नियमितता हमारी पहचान
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

Kewalachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ

Kewalsach news
www.kewalsach.com
Kewalsach news
Mob.: 9431073769, 9308815605
खबर वहीं, जो केवल सच हो

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM UPI
G Pay पे Paytm

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

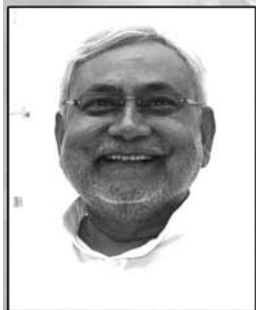

नीतीश कुमार
01 मार्च 1951

मेरी कॉम
01 मार्च 1983

शंकर महादेवन
03 मार्च 1967

शिवराज सिंह चौहान
05 मार्च 1959

अनुपम खेर
07 मार्च 1955

नवीन जिंदल
09 मार्च 1970

उमर अब्दुल्लाह
10 मार्च 1970

श्रेया घोषाल
12 मार्च 1984

वरूण गांधी
13 मार्च 1980

अमीर खान
14 मार्च 1965

हनी सिंह
15 मार्च 1984

राजपाल यादव
16 मार्च 1971

सानिया नेहवाल
17 मार्च 1990

रानी मुखर्जी
21 मार्च 1978

स्मृति जुबैद ईरानी
23 मार्च 1976

इमरान हाशमी
24 मार्च 1979

मधु
26 मार्च 1972

प्रकाश राज
26 मार्च 1965

शीला दीक्षित
31 मार्च 1938

मीरा कुमार
31 मार्च 1945

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar) Mob.-09431073769,
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Vaishnavi Enclave, Second Floor, Flat No. 2B, Near-firing range, Bariatu Road, Ranchi- 834001
E-mail :- editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha
A-68, 1st Floor, Nageshwar talla, Shastri Nagar, New Delhi-110052
Mob.- 09868700991, 09955077308
kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube,
131 Chitranjan Avenue, Near- md. Ali Park, Kolkata- 700073 (West Bengal)
Mob.- 09433567880, 09339740757

ADVERTISEMENT RATES PER ISSUE

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
COLOUR	Cover Page	3,00,000/-	N/A
	Back Page	1,00,000/-	65,000/-
	Back Inside	90,000/-	50,000/-
	Back Inner	80,000/-	50,000/-
	Middle	1,40,000/-	N/A
	Front Inside	90,000/-	50,000/-
	Front Inner	80,000/-	50,000/-
B & W	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
	Inner Page	60,000/-	40,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsachtimes.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

कुर्सी-टेबुल-कम्प्यूटर में भ्रष्टाचार

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

शिक्षा के बगैर किसी भी क्षेत्र का विकास संभव नहीं है और यही प्रमुख वजह है कि केन्द्र एव राज्य की सरकार शिक्षा व्यवस्था को उपयोगी एवं संसाधन से लैश करना चाहती है जिसकी वजह से सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजना वरदान साबित हुई है। धर्म के अनुसार, क्षेत्र के अनुसार के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा पर भी सरकार वोट के लिए काम करती आ रही है। जनता का वोट कैसे हासिल हो उसके लिए कोई सरकार मदरसा पर फोकस करती है तो कोई सरकार चरवाहा विद्यालय खोलकर उनका दिल जीतना चाहती है। आजादी के बाद शिक्षा का स्तर बढ़ने के बजाय निरंतर जर्जर होता चला गया जबकि गुरूकुल और भारत की शिक्षा पद्धति का दबदबा इस कदर हावि था कि विदेश से लोग शिक्षा ग्रहण करने आते थे। 1990 से लेकर 2005 तक शिक्षा का स्तर बिहार और झारखंड में किस प्रकार बदहाल था यह वह लोग महसूस कर सकता है आज जो अपने बच्चों को सरकारी विद्यालय में पढ़ाकर खुश है और वह लोग जो उस कालखंड में पढ़ते आये हैं। संयुक्त बिहार में पटना और उससे भी बेहतर राँची में शिक्षा की रौशनी को जिवित रखा था। जर्जर भवन, टूटा हुआ टेबुल-बेंच, अनपढ़ एवं निक्कमे शिक्षक के साथ-साथ शिक्षकों का वर्षों तक वेतन का भुगतान नहीं होना भी शिक्षा के गिरते स्तर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार बदली और सोच भी साथ ही साथ संसाधन का भी विशेष ख्याल शुरू हुआ और सरकारी विद्यालयों में एकबार फिर से रौनक लौटने लगी और बेटियां सायकिल से स्कूल जाने लगी। विद्यालयों के भवन के साथ-साथ मध्यान भोजन की व्यवस्था भी होने लगी और तो और विद्यालयों में कम्प्यूटर भी लगने लगा ताकि छात्र-छात्राएं सभी आधुनिक शिक्षा के साथ अपडेट होने लगे। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों के साथ मिलीभगत करके विद्यालय को मिलने वाली सुविधा को चट करने वाले समूह पर सोसल मीडिया के पत्रकारों ने विद्यालय के वर्त्तमान स्थिति से अवगत कराना शुरू कर दिया तो पत्रकारों को विद्यालय के अंदर प्रवेश करने पर प्राचार्य मारपीट भी करने लगे, ऐसे कई मामले सार्वजनिक हो चुके हैं। 35 साल से बदहाल विद्यालय को दुरूस्त करने की सरकार की योजना पर शिक्षा विभाग, DEO और BEO के साथ मिलकर ठेकेदारों को अवैध कमाई करवाया जा रहा है। भारत देश में और उसके राज्यों में निर्माण कार्य के बाद सबसे अधिक सरकार का खर्च शिक्षा और स्वास्थ्य में विभाग पर होता है और सबसे अधिक महालूट की कहानी भी यहीं होता लेकिन दोनों की उपयोगिता की वजह से लोग खुलकर इनका विरोध नहीं करते क्योंकि एक जगह से शिक्षा से वंचित हो जायेंगे तो दूसरी जगह जान से भी हांथ धोना पड़ सकता है। बिहार और झारखंड प्रदेश में बड़े पैमाने पर कुर्सी, टेबुल-बेंच और कम्प्यूटर में घोटाला हुआ है जिसकी जांच भी होने लगी है। संवेदकों ने 10 का माल 50 में बेंचा है और उसका भुगतान भी अपना हिस्सा लेकर पदाधिकारी, प्राचार्य के माध्यम से कर चुके हैं। नीतीश कुमार और हेमंत सोरेन की सरकार पर यह कलंक लगा चुका है। यह दोनों राज्यों में पदाधिकारी के बढ़ते मनोबइल की वजह से भ्रष्टाचारियों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। विद्यालय में टेबुल-बेंच, कुर्सी और कम्प्यूटर टेबुल के साथ-साथ बोरिंग सहित विद्यालय के बाउंड्री का भी काम जोरो पर है। सामग्री की खरीद में बड़े स्तर पर धाधली हुई है क्योंकि 18सौ रूपये का टेबुल-बेंच 5500 रूपये में खरीदा गया है और बोरिंग का काम में भी दो नंबर का पाइप लगाया जा रहा है क्योंकि पदाधिकारी को मोटा कमीशन देने के बाद संवदेकों का भुगतान भी हो रहा है। मीडिया का कवरेज पर रोक लगाया जाता है की किसी भी विद्यालय में प्रवेश नहीं कर सकता है ताकि सच्चाई से वह अवगत नहीं हो सके। सरकार भी सबकुछ जानते हुए सिर्फ अधिकारियों का तबादला करके महालूट के मामले पर पर्दा डाल रही है और दूसरी तरफ संवेदक मिलीभगत करके सरकारी खजाने को लूट रहे हैं। निगरानी विभाग को शिक्षा विभाग पर विशेष निगरानी रखेंगे।

बिहार एवं झारखंड के शिक्षा विभाग लूट का महाकेन्द्र बन चुका है। सरकार दावा कर रही है कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी प्रकार के संसाधनों से लैश करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। शिक्षा विभाग के DEO और BEO के मिलीभगत से विद्यालय के प्राचार्य संवेदकों से मोटी रकम वसूल कर रहे हैं और थर्ड क्लास का सामग्री को विद्यालय में भेज रहे हैं। विद्यालय में टेबुल-बेंच, कुर्सी और कम्प्यूटर टेबुल के साथ-साथ बोरिंग सहित विद्यालय के बाउंड्री का भी काम जोरो पर है। सामग्री की खरीद में बड़े स्तर पर धाधली हुई है क्योंकि 18सौ रूपये का टेबुल-बेंच 5500 रूपये में खरीदा गया है और बोरिंग का काम में भी दो नंबर का पाइप लगाया जा रहा है क्योंकि पदाधिकारी को मोटा कमीशन देने के बाद संवदेकों का भुगतान भी हो रहा है। मीडिया का कवरेज पर रोक लगाया जाता है की किसी भी विद्यालय में में प्रवेश नहीं कर सकता है ताकि सच्चाई से वह अवगत नहीं हो सके। सरकार भी सबकुछ जानते हुए सिर्फ अधिकारियों का तबादला करके महालूट के मामले पर पर्दा डाल रही है और दूसरी तरफ संवेदक मिलीभगत करके सरकारी खजाने को लूट रहे हैं।

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

वर्षः- 14, अंकः- 165 माहः- मार्च 2025 रू. 10/-

Editor

Brajesh Mishra 9431073769 6206889040 8340360961

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach@gmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

Principal Editor

Arun Kumar Banka 7782053204
Nilendu Kumar Jha 9431810505

General Manager (H.R)

Triloki Nath Prasad 9308815605

General Manager (Advertisement)

Manish Kamaliya 6202340243
Poonam Jaiswal 9430000482

Joint Editor/Lay-out Editor

Amit Kumar 9905244479, 7979075212
amit.kewalsach@gmail.com

Legal Editor

Amitabh Ranjan Mishra 8873004350
S. N. Giri 9308454485

Asst. Editor

Mithilesh Kumar 9934021022
Sashi Ranjan Singh 9431253179
Rajeev Kumar Shukla 7488290565

Sub. Editor

Prasun Pusakar 9430826922

Bureau Chief

Sanket kumar Jha 7762089203

Bureau

Sridhar Pandey 9852168763
Sonu Kumar 8002647553

Photographer

Mukesh Kumar 9304377779

प्रदेश प्रभारी

दिल्ली हेड

संजय कुमार सिन्हा 9868700991

झारखण्ड हेड

ब्रजेश मिश्र (2) 7979769647
7654122344

पश्चिम बंगाल हेड

अजीत दुबे 9433567880
9339740757

मध्यप्रदेश हेड

अभिषेक पाठक 8109932505
8269322711

छत्तीसगढ़ हेड

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश हेड

निर्भय कुमार मिश्रा 9452127278

उत्तराखण्ड हेड

आवश्यकता है

महाराष्ट्र हेड

आवश्यकता है

गुजरात हेड

आवश्यकता है

आंध्र प्रदेश हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

पंजाब हेड

आवश्यकता है

हरियाणा हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

उड़ीसा हेड

आवश्यकता है

आसाम हेड

आवश्यकता है

हिमाचल हेड

आवश्यकता है

दिल्ली कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
A-68, 1st Floor,
नागेश्वर तल्ला, शास्त्रीनगर, न्यू दिल्ली-110052
मो०- 9868700991, 9431073769

पश्चिम बंगाल कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल- 700073
मो०- 9433567880, 9339740757

झारखण्ड कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
वैष्णवी इंक्लेव, द्वितीय तल,
फ्लैट नं- 2बी
नियर- फायरिंग रेंज
बरियातु रोड, राँची- 834001
मो०- 9308815605

मध्यप्रदेश कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- अभिषेक कुमार पाठक
हाउस नं.-28, हरसिद्धि कैम्पस
खुशीपुर, चांबड़
भोपाल, मध्य प्रदेश- 462010
मो०- 8109932505,

विशेष प्रतिनिधी

भारती मिश्र 8521308428
बेंकटेश कुमार 8210023343
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

प्रकाशित आलेख पर आप अपना सुझाव एवं प्रतिक्रिया अवश्य दें।

केवल सच टाइम्स

द्विभाषीय मासिक पत्रिका

हमारा पता है

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14,
मकान संख्या:- 14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
सम्पर्क करें:- 9431073769, 8340360961

हमारा ई-मेल

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

फरवरी 2025

व्यापार

मिश्रा जी,

फरवरी 2025 अंक का संपादकीय में सरकार एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर गहरा चोट किया है और ज्वलंत समस्या को बहुत बारीकी से लिखा है। **''शिक्षा-चिकित्सा सेवा या व्यापार''** में आलेख के माध्यम से इनदोनों क्षेत्रों में हो रहे सरकारी भ्रष्टाचार एवं नीजी व्यापार पर पाठकों का ध्यान बरबस अपनी ओर खींचा है। जिस प्रकार शिक्षा एवं चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में विकास होना चाहिए था वह उस स्तर पर नहीं हो सका और दोनों क्षेत्रों में भी बड़े स्तर पर भेदभाव हो रहा है पर सवाल उठाते हुए समाधान का आग्रह करता आलेख स्वागत योग्य है।

● **सुनील तिवारी, खेलगांव कॉम्पलेक्स, राँची**

एक पर एक

संपादक महोदय,

मैं केवल सच टाइम्स पत्रिका का नियमित पाठक हूं और सभी खबरों को पढ़ती हूं। फरवरी 2025 अंक में पृष्ठ संख्या 38-39 में **''आस्था के साथ ही आरोग्य का केन्द्र बन रहा बागेश्वर धाम''** पढ़ी तो काफी सुकून मिली। दूसरी खबर भी **''एलओसी पर तनातनी का माहौल भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब के लिए तैयार''** में आपने वर्त्तमान समय की सटीक समीक्षा की है। जबकि तिसरी खबर **''सिख दंगों के मामले में कांग्रेस नेता को उम्रकैद''** भी चिंताजनक लगी। इस प्रकार की खबरों से जानकारी भी मिलती है और छोटी रहने की वजह से पढ़ने में अच्छा लगता है।

● **अनुपमा पाण्डेय, बोरिया, बरियातु, राँची**

भाजपा की फतह

संपादक महोदय,

केवल सचं टाइम्स पत्रिका के फरवरी 2025 अंक में संजय सिन्हा की खबर ''आप-दा पर भाजपा की फतह'' वास्तव में सटीक और वास्तविक सच्चाई के साथ लिखी गई लगी। संजय सिन्हा पूर्व की खबरों में लगातार यह जानकारी दे रहे थे कि आप के लिए दिल्ली की सरकार बनाना आसान नहीं है। 27 वर्षों बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी और रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लीं। दिल्ली की जनता ने 10 वर्षों में यह महसूस किया की अरबिन्द केजरीवाल फ्री के नाम पर देश के भीतर हिन्दू-मुस्लिम का राजनीति करके मोदी को हराना चाहता था लेकिन दिल्ली की जनता ने इसका भ्रष्टाचार को समझकर वोट किया। सटीक खबर।

● **रमेश यादव, गणेश नगर, रोड़ नं.-3 दिल्ली**

महाकुंभ समापन

संपादक महोदय,

फरवरी 2025 अंक में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के समापन की पड़ताल करती अमित कुमार की खबर **''66 करोड़ श्रद्धालुओं के समागम से महाकुंभ का हुआ समापन''** में योगी आदित्यनाथ की यूपी सरकार और प्रशासनिक व्यवस्था के साथ-साथ सनातन धर्म का झंडा कैसे बुलंद हो रहा है की सटीक जानकारी पाठकों को उपलब्ध करायी है। महाकुंभ में उमड़ी भीड़ ने भारत देश में सनातन धर्म की ताकत का एहसास योगी बाबा ने देश की जनता के साथ विश्वभर के लोगों को करा दिया है की भारत में सनातन में कितनी आस्था है। छुटपुट घटनाओं को छोड़ प्रयागराज के महाकुंभ कार्यक्रम समापन काफी सुखद रहा। अच्छी खबर के लिए बधाई।

● **दिनकर राम, गार्ड, एम्स, गोरखपुर, यूपी**

बजट

मिश्रा जी,

फरवरी 2025 अंक में देश के बजट पर सटीक खबर **''वित्तमंत्री सीतारमण ने पेश किया 50.65 लाख करोड़ रूपये का बजट''** में केवल सच टाइम्स पत्रिका में पूरे विस्तार से लिखा गया है जो पठनीय है। आम आदमी को अब 12 लाख का सालाना कमाई पर अब कोई Tax नहीं लगेगा। सत्तापक्ष इस बजट को देशहित में बता रहा है और विपक्ष इसमें कुछ खास नहीं है बता रहा है। 12 लाख पर Tax नहीं लगेगा इसकी वजह से अधिकांशत: लोग ITR 10 लाख का भरेंगे और धीरे-धीरे गरीबी रेखा से बाहर करने का सरकार प्रयास करने का मन बना चुकी है। बजट पर सबके अपने अपने विचार हैं लेकिन आलेख सटीक एवं उपयोगी है।

●**अनुपम चटर्जी, बड़ा बाजार, कोलकात्ता, पं.बं.**

भगदड़

ब्रजेश जी,

फरवरी 2025 अंक में प्रकाशित अमित कुमार की खबर **''भीड़ की भगदड़ ने ले ली मासूमो की जाने''** में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए भगदड़ हादसे को पूरी गंभीरता से और पूरे मामले की सटीक जानकारी देते हुए घटना को लिपिबद्ध किया है। स्टेशन पर हुई भगदड़ पर भी राजनीति की गई और पक्ष-विपक्ष ने सनातन धर्म के आड़ में उट-पटांग बयान देने से भी बाज नहीं आये। देश के शीर्ष पदों पर आसीन लोगों ने शोक व दु:ख प्रकट किया है। प्रयागराज में जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर उमड़ रही भीड़ को लेकर काफी सही खबर को प्राथमिकता के साथ समस्या को रखते हुए पाठकों एवं सरकार सहित रेलवे प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है।

● **महेन्द्र सिंह, करोल बाग, टीओपी, नई दिल्ली**

अन्दर के पन्नों में

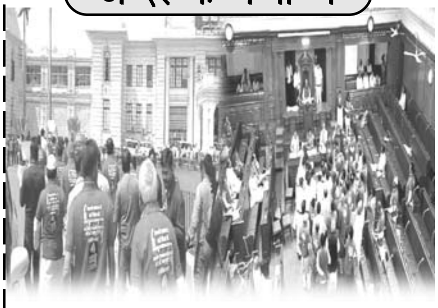

अमर्यादित बयानों से धूमिल हो रही 19

Uttar Pradesh govt to develop...24

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)

पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स

09431016951, 09334110654

डॉ. सुनील कुमार

शिशु रोग विशेषज्ञ सह मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका

एवं 'केवल सच टाइम्स'

एन.सी.- 115, एसबीआई ऑफिसर्स कॉलोनी,

लोहिया नगर, कंकड़बाग, पटना- 800020

फोन- 0612/3504251

सुधीर कुमार

मुख्य संरक्षक सह निदेशक **''मगध इंटरनेशनल स्कूल''** टेकारी

'' केवल सच '' पत्रिका **एवं '' केवल सच टाइम्स ''**

9060148110

sudhir4s14@gmail.com

कैलाश कुमार मौर्य

मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

व्यवसायी

पटना, बिहार

7360955555

एक नजर

संपादकीय व प्रधान कार्यालयः-

☛ पूर्वी अशोक नगर, रोड नं:-14, मकान संख्या:- 28/14, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)

e-mail:- kewalsach@gmail.com,
editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

☛ स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा जय हिन्द प्रेस कंकड़बाग पटना-800020 से मुद्रित एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। **RNI NO.- BIHBIL/2011/49252**

☛ पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

☛ सभी प्रकार के वाद - विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।

☛ आलेख पर किसी को कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।

☛ किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।

☞ सभी पद अवैतनिक हैं।

☞ विज्ञापन की सत्यता की जाँच आप अपने स्तर पर कर लें।

☞ फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)

☞ कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।

☞ **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**

☞ भुगतान BRAJESH MISHRA को ही करें। किसी प्रतिनिधि को नगद न दें।

☞

A/C No.	:- 20001817444
BANK	:- State Bank Of India
IFSC Code	:- SBIN0003564
PAN No.	:- AKKPM4905A

Contributions/Donations are Invited for the Welfare of Elders/Sr. Citizens for the establishment of
"APNA GHAR" A home for Sr. Citizens of Bihar & Jharkhand Proposed to be Constructed
Under the ageas of " KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN".
KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN
Registered Under the Indian Society Act 21, 1880
East Ashok Nagar, Road No.-14,
Kankarbagh, Patna - 800020
Contact No. :- 09431073769, 9955077308, 9308727077
E-mail :- kewalsachsamajiksansthan33@gmail.com
Reg. No. : 1141 (2009-10), Income Tax No. :12AA/2505-8 || 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63
APNA GHAR
Now in the State of Bihar & Jharkhand
Help the helpless Elders/Sr. Citizen. For which your
Contribution and Donation are essential.
Your Coopertation in this direction can make a diffrence
in the lives of many Sr. Citizens.
KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN
A/C No. - 0600010202404
Bank Name - United Bank of India
IFSC Code - UTBIOKKB463
Pan No. - AAAAK9339D

नृशंस हत्या ने बदल दी औरत की परिभाषा

● अमित कुमार

प्रेम, धोखा और साजिश की घटना जिसने भी सुनी उसका दिल कांप उठा। मेरठ में एक पत्नी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या को अंजाम दे डाला। सौरभ राजपूत की हत्या करके उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला अब अपराध की डिक्शनरी में अपना नाम दर्ज करा चुके है। इस दर्दनाक कहानी के तीन पात्र है सौरव, मुस्कान और साहिल। पहला पात्र सौरभ जो अपनी पत्नी के प्रेम में छला गया, दूसरा मुस्कान जो मृतक सौरभ की पत्नी है और तीसरा अहम किरदार वह साहिल है। साहिल और मुस्कान हायर सेकेंडरी तक साथ पढ़े और वर्तमान में अंतरंग मित्र बन गए। वहीं, इन दोनों के प्रेम में रोड़ा बन रहा था मुस्कान का पति सौरभ, जिसका बेहरमी से कत्ल करके शव के तीन टुकड़े करके एक ड्रम में डाल दिए और ऊपर सीमेंट-पानी डाल दिया गया, ताकि सच हमेशा के लिए दफन हो जाए।

वारदात को अंजाम देने के बाद पत्नी अपने मायके चली गई और जब लौटी तो हैरतअंगेज कारनामे का खुलासा हुआ। पुलिस ने मृतका की पत्नी की निशानदेही पर घर के अंदर से ही ड्रम में छुपे शव को बरामद किया। हालांकि सीमेंट से सील ड्रम में से शव निकाले में पुलिस को पसीने आ गए। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रिल मशीन से ड्रम काटा गया और पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मृतका की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल दहला देने वाली यह वारदात ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर की है। यहां मुस्कान नाम की महिला ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर पति सौरव को मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि पति अवैध संबंधों में बाधा बन रहा था। सौरव के शव के 15 टुकड़े करके एक नीले रंग के ड्रम के अंदर भरकर घर में रखा गया और ऊपर से ड्रम में सीमेंट भरकर सील लगा

दी। हत्यारी पत्नी ने मृतक सौरव के परिवार को गुमराह करने के लिए उसके मोबाइल से फोटो और मैसेज भेजे ताकी किसी को शक नही हो पाए कि सौरव की हत्या हो गई है। हत्या 3 मार्च को हुई उसके बाद मुस्कान अपने मायके घूमने चली गई। मुस्कान के पिता को कुछ शक हुआ और उन्होंने उसे पूछा तो सच सामने आया। पिता अपनी हत्यारी बेटी को लेकर थाने पहुंचे। वारदात के बारे में जानकारी मिलते ही पुलिस शव बरामद करने के लिए इन्दिरा नगर के उस घर में पहुची जहां हत्या करके शव को छुपाया गया था। आरोपी पत्नी की निशानदेही पर पुलिस ने ड्रम कब्जे में लिया, लेकिन बॉडी निकालने में उसके पसीने छूट गए। ड्रम को ढंककर खोला लेकिन सीमेंट जम जाने के चलते शव के टुकड़े निकालने के लिए ड्रिल मशीन का सहारा लिया गया। कई दिन पुराना शव हो जाने के चलते उससे दुर्गंध आ रही थी। ड्रम को थाने लाया गया, जहां से शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने आरोपी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों ने अपना जुर्म कबूल लिया है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

बताते चले कि सौरभ राजपूत यूएस में मर्चेन्ट नेवी में कार्यरत था। उसने मुस्कान के साथ प्रेम विवाह किया था। दोनों का जीवन हंसी खुशी से चल रहा था, उनके प्रेम की निशानी 6 वर्ष की बेटी पीहू है जो कक्षा 2 में पढ़ती है। शिप पर काम करने के चलते सौरव बाहर रहता था, पीछे मुस्कान की सुसराल पक्ष से अनबन रहने लगी। जिसके चलते वह सास-ससुर और जेठ-जिठानी से अलग किराए के मकान में रहने लगी थी। दो साल पहले उसका टांका साहिल नाम के युवक से जुड़ गया और दोनों के आंतरिक संबंध हो गए। इसका आभास ससुराल पक्ष को हुआ तो उन्होंने सौरव को जानकारी दी। सौरव ने उसे समझाया भी था। मेरठ के एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मृतक सौरव 24 फरवरी

को विदेश से छुट्टी लेकर मेरठ पत्नी मुस्कान का जन्मदिन मनाने के लिए मेरठ आया था। दोनों घूमने भी गए, लेकिन 4 मार्च को मुस्कान और उसके प्रेमी ने योजना बनाकर सौरव की हत्या कर दी और शव के टुकड़े करके ड्रम में भर दिए। सौरव के परिवार को गुमराह करने के लिए वह सही है पत्नी ने उसके मोबाइल से मैसेज भी भेजे, ताकि किसी को शक न हो की उसको मौत के घाट उतार दिया गया है। मुस्कान और उसके प्रेमी के बीच सौरव बाधा बन रहा था। अपने प्रेम में बाधा मानते हुए मुस्कान ने सौरव को प्रेमी के साथ मिलकर रास्ते से हटा दिया। शव को छुपाने के लिए घर के अंदर एक ड्रम में बंद कर दिया और उसके ऊपर से सीमेंट लगाकर सील लगा दी। पुलिस ने ड्रिल मशीन की सहायता से ड्रम काटा और शव बाहर निकालकर कब्जे में ले लिया। इसी दौरान यह खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटना मकान के बाहर जमा हो गए। इस वारदात से हर शख्स सकते में है। आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को लंबी पूछताछ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

कहते हैं कि अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, लेकिन सच्चाई छुप नही सकती है। ऐसा ही साहिल और मुस्कान के साथ हुआ। इस प्रेमी युगल ने सौरभ को 3 मार्च को रास्ते से हटाने के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए एक बड़ा ड्रम खरीदा, उस ड्रम के अंदर तीन टुकड़े सिर, दोनों हथेलियां और

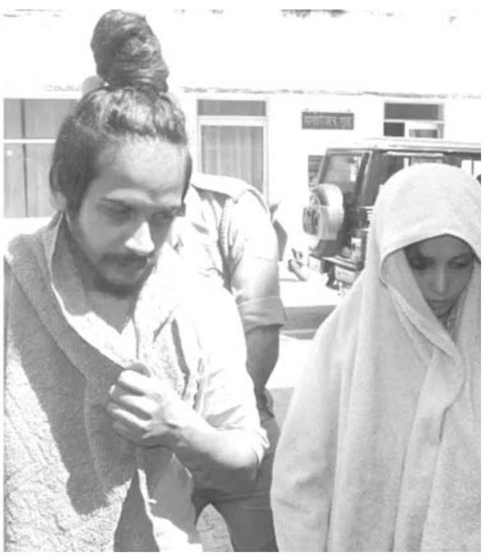

धड़ तथा कत्ल में उपयोग चाकू डालकर सीमेंट भर दिया। जिसके चलते ड्रम भारी हो गया। वहीं ड्रम को ठिकाने लगाने के लिए 17 मार्च में लेबर बुलाई, लेकिन सीमेंट से ड्रम भारी हो गया, लिहाजा वह उसे वहीं छोड़कर चली गई। यदि ड्रम वहां से उठ जाता तो सौरभ के परिजन कभी नहीं जान पाते कि उनका बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। बस वह यही सोचते की विदेश में रहकर नौकरी कर रहा है।

गौरतलब है कि पत्नी मुस्कान ने प्रेमी के साथ मिलकर सौरभ को पहले सीने पर चाकुओं से वार किए, फिर बाथरूम में ले जाकर गर्दन काटी और दोनों हथेलियां भी काट दीं। सौरभ के तीन टुकड़े करके ड्रम में रखे और ऊपर से सीमेंट का पानी भर दिया। बता दें कि वारदात 3 मार्च को अंजाम दिया गया और घटना का खुलासा 18 मार्च को हुआ। मुस्कान के परिजनों ने जब उससे सौरभ के विषय मे जानकारी मांगी तो वह बोली उसके परिजनों ने उसे मार दिया। परिवार ने कहा की कोई मां-बाप अपने कलेजे के टुकड़े को मार नही सकता। सख्ती से पूछताछ में मुस्कान ने पूरा सच मां-बाप को बताया और उन्होंने उसे पुलिस को सौंप दिया। पुलिस के साथ जाकर मुस्कान और उसके प्रेमी ने शव बरामद करवाया। पुलिस पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश करके 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस दोनों को रिमांड पर लेने की कार्रवाई कर रही है। बताते चले कि मेरठ पुलिस ने घटनाक्रम का खुलासा करते हुए कहा है कि मुस्कान और साहिल दोनों पूर्व में परिचित रहे हैं। आठवीं कक्षा तक साथ पढ़े फिर दोनों की राह अलग हो गई। मुस्कान का अपने ही क्षेत्र में रहने वाले सौरभ से प्रेम संबंध हो गया, जिसके चलते उन्होंने 2016 में शादी कर ली। शादी के समय सौरभ विदेश में काम करता था, इसलिए वह अक्सर बाहर ही रहता था। मुस्कान की ससुराल पक्ष से बनती नही थी, लिहाजा वह किराए के मकान में अलग रहने लगी। सौरभ और मुस्कान की एक बेटी है, जो अब 6 साल की है। 2019 में मुस्कान की मुलाकात अपने पुराने सहपाठी साहिल से एक मॉल में हुई। दोनों ने एक दूसरे को अपना मोबाइल नंबर दिया। मुस्कान का पति सौरभ विदेश में था, वहीं साहिल की मां छोटेपन में चल बसी थी, वहीं पिता बाहर नौकरी करते थे, जिसके चलते वह नानी के साथ रहता था। मुस्कान और साहिल को अक्सर अकेलापन महसूस होता, इसलिए दोनों ने अकेलेपन को दूर करने के लिए बातचीत शुरू की, जो प्रेम संबंधों के साथ आंतरिक संबंध में भी बदल गई। इन सबंधों की भनक सौरभ को लग गई थी, जिसके चलते वह 2021 में तलाक देने के लिए कोर्ट पहुंच गया। लेकिन फिर मुस्कान ने उसे अपनी बातों में फंसाकर बेटी का वास्ता दिया और तलाक टल गया।

हालांकि सौरभ, मुस्कान और साहिल के संबंधों में रोड़ा बन रहा था। उसको खत्म करके दोनों अपना नया जीवन शुरू करना चाहते थे। जिसके लिए नवंबर 2024 में भी सौरभ को जिंदा गाड़ने की प्लानिंग की गई थी। सौरभ लंदन से मुस्कान का जन्मदिन मनाने के लिए 24 फरवरी 2025 में मेरठ आया था, लेकिन उसे नहीं पता था कि उसकी पत्नी जन्मदिन वाले दिन उसे रास्ते से हटाने का प्लान तैयार कर रही है। वहीं, मुस्कान ने पति को मारने की पुख्ता योजना बनाते हुए 22 फरवरी को 800 रुपए में मुर्गा काटने वाले दो चाकू खरीदे थे, लेकिन 25 फरवरी में मारने की प्लानिंग फेल हो गई। इसी बीच 3 मार्च 2025 को बेटी के एग्जाम खत्म हो गए थे, उसे नानी के घर छोड़ दिया। उसी रात सौरभ अपने मां के घर से खाने के लिए कोफ्ते की सब्जी लाया था, जिसमें मुस्कान ने बेहोशी की दवा मिला दी। वहीं घर में पहले से ही साहिल छुपा हुआ था। बेहोश होने पर मुस्कान ने सौरभ के सीने पर चाकू रखा, साहिल ने उसके हाथों पर दबाव देकर ताबड़तोड़ वार करके मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद दोनों लोग सौरभ को बाथरूम में ले गए, वहां उसके हाथ की हथेली और सिर काटा गया। सिर और हाथ अपने साथ साहिल ले गया। एक बैग के अंदर धड़ रखकर

बैग में छुपा दिया। 4 मार्च की सुबह मुस्कान ने ब्लिंकिंट से 10 किलो ब्लिचिंग पाउडर मंगवाया और घर में खून लगे खून के धब्बों को साफ किया। बाजार जाकर एक बड़ा ड्रम और सीमेंट खरीदकर सिर, हाथ, धड़ और चाकू डाल दिया गया और ड्रम सील हो गया। साहिल, सौरव के सिर और हाथ को अपने घर पैक करके ले गया था। फिर धड़ सिर और हाथ को दोबारा से साहिल लाया और ड्रम में डालकर सीमेंट को पानी में मिलाकर भर दिया। यह सब करने के बाद प्रेमी साहिल के साथ हिमाचल के टूर पर निकल पड़ी। टूर के लिए पैसा मृतक पति का इस्तेमाल किया गया। 3 मार्च की रात्रि में मर्डर और 4 तारीख की सुबह से प्लानिंग के मुताबिक कैब बुक करके शाम हिमाचल प्रदेश की सैर पर निकल गए। हिमाचल में दोनों ने खूब ऐश की, जिनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। 16 मार्च को शिमला में मुस्कान ने साहिल को सरप्राइज देते हुए बर्थडे मनाया। बर्थडे का केक कैब ड्राइवर से मंगवाया, जिसकी एक चैट भी सामने आई है। इस दौरान मुस्कान, साहिल को चुंबन भी देती नजर आई है। इस बर्थ डे के लिए मुस्कान ने ही कैब ड्राइवर से केक मंगाया। मुस्कान और साहिल का सौरव के साथ खून की होली खेलकर मन नहीं भरा था। उन्होंने शिमला में होली खेलते हुए एक दूसरे को रंग लगाया और खुशी से झूमते नजर आए। होली खेलने का 23 सेकंड का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों नशे में चूर हैं। सौरव की हत्या के 10 दिन बाद होली पर यह वीडियो बना है। नशे की पुष्टि कैब के ड्राइवर अजब सिंह ने भी की है। उसने मीडिया को बताया है कि साहिल रोज पीने के लिए कमरे में शराब की बोतल लेकर जाता था। हिमाचल से वापस आते समय मुस्कान ने भी बीयर पी थी। एक वीडियो में मुस्कान साहिल को शंकर लिखा केक खिला रही है। यह वीडियो 16 मार्च को साहिल के जन्मदिन का बताया जा रहा है। इसी के साथ साहिल और मुस्कान सेलिब्रेशन करते हुए एक होटल में डिस्को कर रहे हैं। इसके बाद दोनों यानी मुस्कान और साहिल वहां से हिमाचल के शिमला चले गए, उसके बाद मनाली गए फिर वहां से कसौली गए। उसके बाद ये दो दिन पूर्व लौटे थे। बेटी पापा से मिलने

की जिद कर रही थी तो मुस्कान के परिवार ने पूछा सौरभ कहां है। मुस्कान ने कहा कि सौरभ के परिजनों ने उसे मार दिया। परिवार को यह कहानी गले नी उतरी, उन्होंने सख्ती से पूछा तो मुस्कान ने पूरी कहानी बता दी। परिवार उसे लेकर थाने पहुंचा और घटना खुल गई। कैब ड्राइवर अजब सिंह को लेकर मेरठ पुलिस हिमाचल के उन होटलों में जाने की तैयारी कर रही है, जहां मुस्कान और साहिल रुके थे।

बहरहाल, सोचने वाली बात यह है कि 9 साल पति सौरभ के साथ रहने के बाद वह इतनी निष्ठुर बन गई कि उसने उसे मौत दे दी, जबकि सौरव और मुस्कान का प्रेम विवाह हुआ था। वही मेरठ के एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि साहिल अंधविश्वास पर यकीन रखता था। इसका फायदा मुस्कान ने उठाया। मुस्कान अपने प्रेमी साहिल को कंट्रोल में रखने के लिए स्नैपचैट से बात करती थी। मुस्कान ने एक अपनी और अपने भाई और माँ के नाम से दो फर्जी स्नैपचैट आईडी भी बनाई थी, फर्जी आईडी से वह अपने ही अकाउंट पर मैसेज भेजती थी। मैसेज को वह साहिल को दिखाती और पढ़ाती थी, जिसमें लिखा होता था कि साहिल की दिवंगत मां की आत्मा मुस्कान के भाई के शरीर में आकर बातचीत करती है। आत्मा बताती है कि साहिल बहुत अच्छा है, उससे शादी कर लो, परिवार को मेलजोल से कोई आपत्ति भी नही है,

तुमको एक वध भी करना पड़ेगा। यह वध सौरव की तरफ इशारा था। बाद में इन मैसेज को साहिल को पढ़ाती थी। इन सबको पढ़कर साहिल ने मुस्कान के साथ मिलकर सौरव को रास्ते से हटा दिया। अब इस हत्याकांड के बाद परत दर परत खुलती जा रही है। कहा जा रहा है कि साहिल अंधविश्वासी था, जिसके चलते वह तंत्र-मंत्र की साधना भी जानता है, जिसके चलते उसने अपने घर के एक कमरे में दीवारों पर तरह-तरह की आकृति बना रखी थी। इन चित्रों के साथ 'you cant trip with us' यानी हमारे साथ तुम नही जाने के हो। साहिल ने घर में बिल्ली पाल रखी थी। कहा जाता है कि घर में सुख-समृद्धि के लिए, धनलाभ के लिए बिल्ली की जेर की साधना होती है। सौरभ मर्डर में अपनी गर्लफ्रैंड के साथ साहिल जेल पहुंच चुका है। साहिल की नानी भी घर बंद करके कहीं चली गई है। साहिल के पड़ोसियों का कहना है कि वह अंतर्मुखी था, आसपास से मतलब नही था। इसलिए सब हतप्रभ है कि उसने सौरव का मर्डर सिर्फ गर्लफ्रैंड के लिए कर दिया। शिव का बड़ा भक्त होने के नाते उसने सिर पर जटाएं और और शरीर पर सांप के टैटू बनवा रखे थे।

गौरतलब है कि मेरठ के सौरव हत्याकांड के तार तांत्रिक क्रिया से जुड़ते नजर आ रहे हैं। हत्या की जांच में एक नया मोड़ आया है, जिसमें उसकी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल द्वारा तांत्रिक अनुष्ठान किए जाने का शक गहरा गया है। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। लेकिन, इस मामले में एक-एक कर कई कहानियां सामने आ रही हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी तक तंत्र-मंत्र के दावों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों का आरोप है कि साहिल का अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के प्रति जुनून था। सौरभ की मां रेणु देवी ने दावा किया है कि उनके बेटे की हत्या के पीछे तांत्रिक अनुष्ठान मुख्य कारण थे। उनका दावा है कि मुस्कान और साहिल दोनों ही इसमें शामिल थे। रेणु देवी ने आरोप लगाया कि मुस्कान और साहिल दोनों ही तांत्रिक अनुष्ठान करते थे। दोनों ने तंत्र-मंत्र करके मेरे बेटे की हत्या कर दी। वही मुस्कान के माता-पिता कविता और प्रमोद रस्तोगी ने भी आरोप लगाया कि साहिल ने अंधविश्वास से ही मुस्कान को अपने कब्जे में किया हुआ था। उनका आरोप है कि साहिल की तंत्र क्रिया मुस्कान के दिमाग पर ऐसे हावी हुई कि वह अपनी 6 साल की बेटी पीहू को भी खुद से दूर करने लगी थी। मुस्कान के माता-पिता ने आरोप लगाया कि साहिल ने मुस्कान को पूरी तरह नशे की लत में डाल दिया था और अंधविश्वासी बना दिया था। साहिल के पड़ोसियों ने बताया कि वह अक्सर पीले और काले रंग के कुर्ते पहनता था जिस पर 'महाकाल' लिखा होता था और उसके शरीर पर धार्मिक और रहस्यमय प्रतीकों के कई टैटू होते थे। पड़ोसियों ने बताया कि साहिल का कमरा अजीबोगरीब तस्वीरों से भरा हुआ था, जिसमें ड्रैगन और अन्य आकृतियों के चित्र शामिल थे। एक पड़ोसी ने बताया कि साहिल के कमरे से कई अन्य डरावनी तस्वीरें भी मिली हैं। कमरे में बीयर की खाली बोतलें मिली हैं। साहिल केवल बिल्ली को खाना खिलाने के लिए बाहर जाता था। उसके कमरे की लाइट बंद रहती थी। इस बीच, मुस्कान के पुलिस को दिए गए बयानों से पता चलता है कि साहिल ने उसे हत्या करने के लिए उकसाया। पुलिस के मुताबिक, मुस्कान ने अपने बयानों में कहा है कि साहिल ने कहा था कि तुम्हें सौरभ को मारना होगा, तभी हम एक नई जिंदगी शुरू कर पाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, साहिल ने मुस्कान के हाथों सौरभ की हत्या कराई और फिर उसके सीने पर बैठकर तीन बार चाकू दिल में घोंपा। ऐसा भी कहा जा रहा है कि मुस्कान ने साहिल की मृत मां के नाम से स्नैपचौट पर एक फर्जी अकाउंट बनाया और उससे बात कर उसे साजिश में शामिल कर लिया। धीरे-धीरे मुस्कान ने साहिल के दिमाग पर काबू पा लिया और इसके बाद दोनों ने सौरव की हत्या का प्लान बनाया। वही मृतक सौरव की बहन चिंकी का कहना है कि मुस्कान ने उनके भाई की जान ले ली। 2016 से सौरव मर्चेंट नेवी में अमेरिका में नौकरी करता था, उस समय उसने भाई को मोह पाश में बांध लिया, शादी कर ली। मुस्कान दो साल तक परिवार के साथ रही, लेकिन इस दौरान हमने बहुत कुछ सहा। मुस्कान की वजह से घर में पुलिस आती थी, हमारे परिवार ने पहले कभी घर में पुलिस नहीं देखी, काफी बदनामी भी परिवार ने उठाई थी। मतभेद होने के बाद वह परिवार से उनके भाई को लेकर अलग हो गई। उस समय उसने परिवार को धमकी देते हुए कहा था कि वह अब कभी सौरव का चेहरा नहीं देखने देगी। चिंकी कहती हैं कि उन्हें ये अंदाजा नहीं

था कि सच में उन्हें एक दिन यही दिन देखना पड़ेगा। सौरव की बहन चिंकी ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि शादी से पहले मुस्कान के बारे में काफी कुछ गलत सुना था, लेकिन परिवार ने यही सोचा था कि घर में अब बहू बनकर आ गई है तो अब अच्छी तरह रहेगी, लेकिन वह नहीं बदली थी। अक्सर उसके बारे में जानकारी मिला करती थी कि कभी किसी के साथ तो कभी किसी और के साथ घूम रही है। चिंकी का दावा है कि सौरव विदेश से जब भारत आया तो पैसा लाया था, जिससे मुस्कान के पिता ने लगभग 50 लाख रुपए कीमत का मकान खरीदा, ज्वैलरी की दुकान भी करवाई, कार खरीदी, आप खुद सोचो वह पहले एक सुनार के यहां नौकरी करने वाला यह सब कुछ कैसे कर लेगा। मेरे भाई ने उसे अमेरिका से आईफोन भी लाकर दिया था। दूसरी तरफ मृतक सौरव का भाई राहुल बोला कि वह दरिंदे हैं, जिस छोटे भाई को हाथों में खिलाया था, उस भाई का शव लेकर हाथ कांपने लगे। उसे समझाया था कि लड़की गलत है, छोड़ दे, वह तैयार भी हो गया था। 2021 में तलाक देने के लिए आवेदन भी दे दिया था। लेकिन, फिर मुस्कान ने कोई मंतर फेरा, वह तलाक लेने से पीछे हट गया। सौरव घर पर कुछ नही बताता था, बस अपने एक दोस्त पंकज को अपनी सारी पीड़ा बताया करता था। पंकज से जानकारी मिलती थी कि भाई काफी परेशान है। सौरव की मां रेनू देवी का कहना है कि साहिल ने हमारे लड़के की फोटो दीवार पर बना रखी थी, क्या कर रहा था उसके साथ। मौत देने के बाद उनके बेटे के सिर और हथेली को अपने कमरे पर लेकर गया, कुछ तो किया होगा। तांत्रिक क्रिया का अंदेशा जताया। अपने बेटे की हत्या से दुखी सौरव की मां चाहती हैं कि हत्यारों को फांसी की सजा हो या फिर इन्हें जनता के हवाले कर दिया जाए। वहीं उन्होंने मुस्कान के माता-पिता और भाई-बहन को भी सौरव की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया। सौरव की आखिरी निशानी 6 साल की बेटी पीहू है, जो मां के जेल जाने के बाद नानी के पास है। वहीं सौरव की मां पीहू को पाप की निशानी बता रही हैं, उन्होंने साफतौर पर नातिन को रखने के लिए मना कर दिया है। उनका कहना है कि अनाथालय बहुत हैं उसमें छोड़ दें।

बहरहाल, उत्तर प्रदेश के मेरठ का रहने वाला 29 वर्षीय सौरव राजपूत 24 फरवरी को अपनी पत्नी के जन्मदिन के मौके पर लंदन से यहां अपने घर लौटा तो उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसकी जीवनसाथी ने उसकी हत्या की साजिश रची हुई है। सौरभ की 27 वर्षीय पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके 25 वर्षीय प्रेमी साहिल शुक्ला ने पहले चाकू से हमला कर उसकी हत्या की और बाद में शव के टुकड़े कर उसे एक ड्रम के अंदर रख सीमेंट से सील कर दिया। इस साजिश और धोखे का खुलासा तब हुआ जब मुस्कान और साहिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर मीडिया के सामने पेश किया। अपने पति की बेरहमी से हत्या करने के बावजूद मुस्कान मांग में सिंदूर लगाकर मीडिया के सामने खड़ी थी। सिंदूर किसका है, यह पूछे जाने पर मुस्कान चुप रही। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि बेहोश करने वाली दवाएं खरीदने से लेकर चाकू से हमला करने और यहां तक कि शव को ठिकाने लगाने के लिए जगह की तलाश करने तक मुस्कान और साहिल ने सौरव की हत्या की योजना बड़ी होशियारी से बनाई। उन्होंने बताया कि मुस्कान और साहिल पहले से ही एक दूसरे को जानते थे और बाद में 2019 में एक स्कूल व्हाट्सएप ग्रुप बनने से एक बार फिर वह एक दूसरे के संपर्क में आए। दोस्ती से शुरू हुआ यह रिश्ता जल्द ही प्रेम-प्रसंग में बदल गया। विदेश में काम करने वाले सौरव के कई-कई महीनों के बाद घर आने की वजह से मुस्कान और साहिल के संबंध और मजबूत हो गए। मुस्कान और साहिल को एक-दूसरे के करीब लाने में मादक पदार्थों की भी भूमिका रही होगी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि परिवार के सदस्यों के अनुसार, साहिल मादक पदार्थ का इस्तेमाल करता था और मुस्कान के साथ भी साझा करता था। हम मामले के इस पहलू की जांच कर रहे हैं। इस प्रेम-प्रसंग के कारण मुस्कान ने सौरव को छोड़ने और साहिल से शादी करने

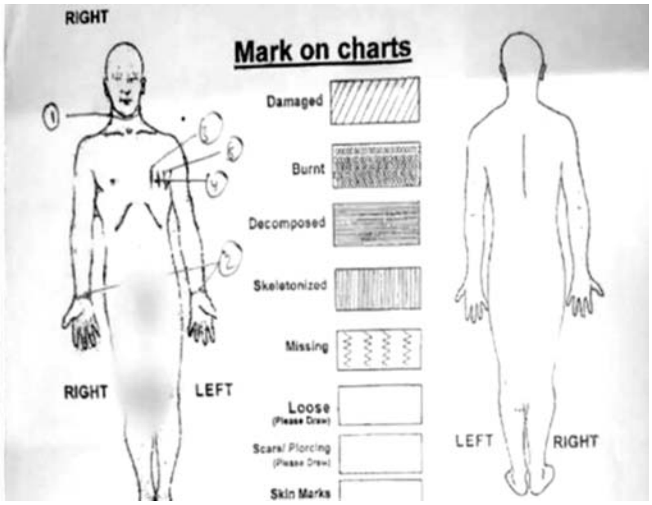

की योजना बनाई। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया कि मुस्कान और साहिल ने सौरव को अपने रिश्ते में बाधा के रूप में देखा और उसे जान से मारने का फैसला किया। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मुस्कान और साहिल ने पति को बाधा माना और उसकी हत्या की साजिश रची। यह साजिश पहली बार पिछले वर्ष नवंबर में रची गई थी और साहिल ने इसमें साथ देने का इरादा जाहिर किया। बताया जा रहा है कि फरवरी में सौरव को भारत लौटना था और तभी इस खतरनाक साजिश को अंजाम देने का इरादा किया गया। मुस्कान ने लंबे ब्लेड वाले दो चाकू खरीदे और दुकानदार से कहा कि वह इनका इस्तेमाल चिकन काटने के लिए करेगी। मुस्कान ने स्थानीय दवा की दुकान से प्रतिबंधित दवाएं खरीदी और दुकानदार को बताया कि वह तनाव से राहत पाने के लिए इन दवाओं इस्तेमाल करेगी। सूत्रों ने बताया कि 25 फरवरी को सौरव की हत्या की पहली कोशिश की गई लेकिन वह नाकाम रही। सौरभ को प्रतिबंधित दवा खिलाई गई लेकिन वह बेहोश नहीं हुआ लेकिन चार मार्च को यह तरकीब काम कर गई। फिर मुस्कान ने साहिल के साथ मिलकर सौरव की चाकू घोंपकर हत्या कर दी और अपराध को छिपाने के प्रयास में शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हत्या से पहले ही मुस्कान ने अपनी छह वर्षीय बेटी को उसकी दादी के घर भेज दिया था। पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि शुरुआत में मुस्कान और साहिल की योजना किसी जगह पर शव के अंगों को ठिकाने लगाने की थी लेकिन दोनों ने अंततः इसे एक बड़े नीले ड्रम में सीमेंट और रेत भरकर रखने

का फैसला किया। उन्होंने बताया कि दोनों (मुस्कान और साहिल) 17 मार्च को मेरठ लौटने से पहले अपनी पहचान छिपाने के प्रयास में हिमाचल प्रदेश चले गए और अगले ही दिन सौरभ के परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर दोनों को हिरासत में ले लिया। घर में रखे नीले ड्रम से सौरभ के कटे हुए अंग बरामद होने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत में पेश होने के बाद मुस्कान और साहिल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वही मुस्कान के माता-पिता कविता और प्रमोद रस्तोगी ने हत्या में अपनी बेटी की संलिप्तता पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए सौरव और उसके परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। कविता ने कहा कि अगर वह कभी पैदा ही नहीं होती तो बेहतर होता। मुस्कान के पिता प्रमोद रस्तोगी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और मुस्कान व उसके प्रेमी दोनों के लिए मौत की सजा की मांग की। प्रमोद ने दुख और गुस्से से भरी आवाज में कहा कि सौरव ने मुस्कान के लिए अपनी नौकरी और परिवार सहित सब कुछ छोड़ दिया, लेकिन आखिरकार उसने उसकी जान ले ली। मुस्कान ने जीने का अधिकार खो दिया है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड के दोनों आरोपियों की हालत जेल में खराब हो गई है। वो लगातार नए-नए डिमांड कर रहे हैं। इस केस की मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को न्यायिक हिरासत में केंद्रीय करागार में रखा गया है। बताया जा रहा है कि ड्रग्स और शराब के आदि दोनों आरोपी जेल प्रशासन से नशे की मांग कर रहे हैं। उनको मारिजुआना और मॉर्फिन का इंजेक्शन चाहिए, जिसके नहीं जाने पर उन दोनों से खाना खाने से इनकार कर दिया है. जेल अधिकारियों का दावा है कि दोनों को नशीली दवाओं की लत के लक्षण महसूस हो रहे हैं। दोनों एक ही बैरक में एक साथ रहना चाहते हैं, लेकिन उन्हें बताया

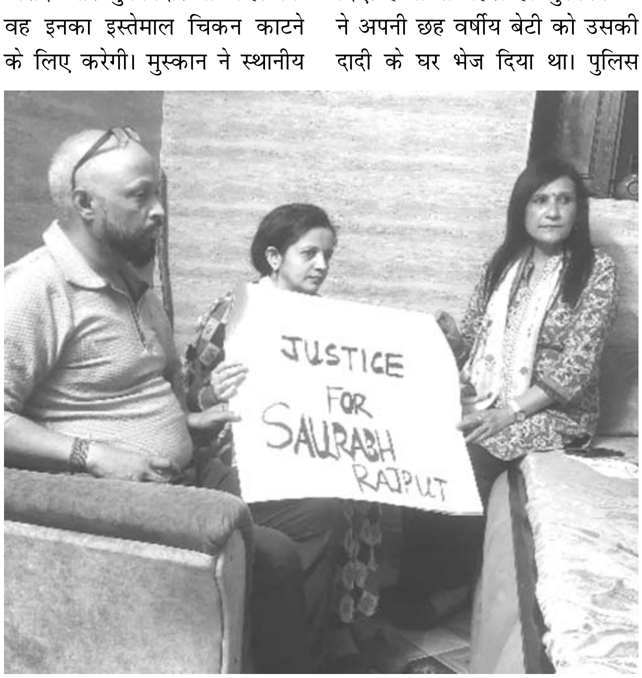

गया कि नियमों के अनुसार ऐसा संभव नहीं है। मुस्कान ने सरकारी वकील की भी मांग की है। उसको पता है कि उसका परिवार उससे परेशान है और उसकी मदद नहीं करेगा। जेल सूत्रों ने कहा, मुस्कान और साहिल ठीक से सो नहीं पा रहे हैं। वे खाने-पीने से भी इनकार कर रहे हैं। उन दोनों बेचैनी में बैरक में घूमते हुए देखा गया है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने कहा, साहिल और मुस्कान दोनों ही लंबे समय से नशा कर रहे हैं। इसके कारण उन्हें बेचैनी की समस्या हो रही है। रात में नींद भी नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने उनके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए दवाएं दी हैं। एक समर्पित टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। पुलिस जांच में पता चला है कि दोनों आरोपी नियमित रूप से ड्रग्स और शराब का सेवन करते रहे हैं। दोनों आरोपियों के जेल में रहने के बाद से उनसे कोई मिलने नहीं आया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने कहा कि मुस्कान ने अपना केस लड़ने के लिए सरकारी वकील की मांग की है। अपने आवेदन में उसने कहा है कि घटना के बाद से उसके माता-पिता उससे नाराज हैं। उसके लिए कोई भी लड़ने नहीं आए। इसलिए उसको एक सरकारी वकील चाहिए, जो अदालत में उसका केस लड़ सके। मुस्कान ने उनसे मिलने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने मुस्कान को फोन किया, तो उसने कहा कि उसका परिवार उसके लिए नहीं लड़ेगा। उसने सरकारी वकील की मांग की है। उन्होंने कहा, 'यदि कोई कैदी सरकारी वकील की मांग करता है, तो उसे वकील मुहैया कराना हमारा कर्तव्य है। हमने उसका आवेदन स्वीकार कर लिया है। उसे अदालत में भेज दिया है, ताकि उसे सरकारी वकील मुहैया कराया जा सके। हालांकि, मुस्कान के प्रेमी साहिल ने अभी तक सरकारी वकील की मांग नहीं की है।' दोनों आरोपियों के जेल में एक साथ रहने की मांग पर उन्होंने कहा, 'हमने उनसे कहा कि जेल में यह संभव नहीं है। नियम के अनुसार महिला और पुरुष एक साथ नहीं रह सकते हैं। जेल में दिए जाने वाले काम के बारे में वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने कहा कि 10 दिनों तक कैदियों से कोई काम नहीं लिया जा सकता। उन्होंने बताया, 10 दिनों के बाद यदि वे कोई काम करना चाहते हैं, तो हम निर्णय लेंगे। जेल अधिकारी ने मुस्कान और साहिल के जेल में व्यवहार के बारे में पूछे जाने पर कहा कि सब कुछ धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। जब से दोनों ने दवा लेना शुरू किया है, तब से उनकी हालत में काफी सुधार हुआ है। अब वे अपने मामले के बारे में भी सोचने लगे हैं।

बताते चलें कि 3 मार्च को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उसके शव को टुकड़े-टुकड़े करके नीले रंग के ड्रम में सीमेंट से सील करने के बाद मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला 10 मार्च को कसोल पहुंचे थे। वे वहां छह दिन ठहरने के बाद 16 मार्च को चेक आउट कर गए। 17 मार्च को दोनों वापस मेरठ लौट आए। 11 मार्च को मुस्कान ने साहिल का बर्थडे भी सेलीब्रेट किया था। मेरठ पुलिस की एक टीम इस मामले की जांच के लिए हिमाचल प्रदेश के मनाली और कसोल भी गई है। वहीं सौरभ राजपूत के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ गई है। इसमें मुस्कान और साहिल की बर्बरता सामने आई है। रिपोर्ट से पता चला है कि सौरभ के शव का सिर धड़ से अलग कर दिया गया था। दोनों हाथ कलाई से कटे हुए थे। पैर पीछे मुड़े हुए थे। शव को पहले टुकड़े किए बिना ड्रम में डालने की कोशिश की गई थी। मौत का कारण सदमे और अत्यधिक रक्तस्राव को बताया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि नुकीली चीज से सौरभ के दिल पर तीन बार जोर से वार किया गया था। एक डॉक्टर ने कहा, 'तेज लंबे चाकू के वार दिल के अंदर तक चुभ गए।' पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह ने रिपोर्ट की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, 'मुस्कान ने सौरभ के दिल पर बेरहमी से वार किया, जिससे उसका दिल फट गया। उसकी गर्दन और दोनों हथेलियां कट गईं। ड्रम में फिट करने के लिए शव को चार टुकड़ों में काटा गया था। पोस्टमार्टम टीम के एक सदस्य ने खुलासा किया, 'शव को ड्रम में डाला गया और सीमेंट से भर दिया गया। सीमेंट में शव जम गया। हवा की कमी के कारण सड़ नहीं पाया। गंध बहुत ज्यादा खराब नहीं थी।' शव को निकालने के लिए ड्रम को काटना पड़ा और सख्त सीमेंट को बड़ी मेहनत से हटाना पड़ा। डॉक्टरों से इसे जघन्य कांड करार दिया है। उधर, यूपी पुलिस ने कहा कि वो सौरभ हत्याकांड को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में ले जाने की योजना बना रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा ने बताया कि पुलिस मामले में जल्द से जल्द आरोप पत्र दाखिल करने को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा, 'हम मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाने की कोशिश करेंगे, ताकि आरोपियों को जल्द से जल्द सजा मिल सके।' उन्होंने कहा कि पुलिस मुस्कान और साहिल को उनकी न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद अपनी हिरासत में लेने की कोशिश करेगी।

Uproar in Bihar assembly over "insult" to national anthem by CM Nitish Kumar

The Post lunch sitting of the Bihar assembly was adjourned within ten minutes till 3:30 PM as opposition members created a ruckus demanding a public apology from Chief Minister Nitish Kumar for his alleged insult to the National song.

As the House assembled for post-sitting, opposition members trooped into the well and started demanding an apology from Chief Minister Kumar for his alleged insult to the National song. Speaker Nand Kishore Yadav asked the Rural Works Minister Ashok Choudhary to place budgetary demands on his department for the financial year 2025-26 for approval by the House. Even as Chaudhary placed budgetary demands on the Rural Works Department for fiscal 2025-26, opposition members continued raising slogans against the government and also demanding an apology from CM Kumar.

Speaker asked opposition members to return to their seats which did not yield any result. When repeated requests from the Speaker to opposition members to maintain peace in the House to enable it to transact its scheduled business, fell on deaf ears, he adjourned the House till 3:30 PM. Pre-lunch sitting of the House was also adjourned within ten minutes after it assembled as the opposition had created a ruckus and demanded an apology from the Chief Minister on the same issue.

A video clip of Nitish Kumar has been doing rounds on social media in which "he was spotted moving" during the national anthem at an international sports event held here on Thursday. In the viral video he was seen "laughing and talking" while the national anthem was being played. In the video, he appeared "confused", then "talked" during the national anthem with his principal secretary and retired IAS officer Deepak Kumar. When Kumar touched Deepak's arm "talking and laughing", the latter asked him to "stay still. Kumar then folds his hands while looking at someone in public". This act of Nitish was described by the opposition as an insult to the national song.

अमर्यादित बयानों से धूमिल हो रही सदन की गरिमा

☞ ई बेचारी को कुछ नहीं आता, जो है तेरे हसबैंड का है...

☞ तू तो सही हसबैंड भी नहीं बन पाया....

● अमित कुमार

ई बेचारी को कुछ नहीं आता, जो है तेरे हसबैंड का है, तू तो सही हसबैंड भी नहीं बन पाया...! विधानसभा और विधानसभा के बाहर यदि नेता एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह के शब्दों का उपयोग करें तो आश्चर्य होता ही है। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया वह बहुत ही निंदनीय है। नीतीश ने राबड़ी देवी पर निशाना साधते हुए कहा कि ई बेचारी (राबड़ी) को तो कुछ नहीं आता। जो है देरे हसबैंड (लालू यादव) का है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने उसी अंदाज में पलटवार किया। उन्होंने कहा- 'तू तो सही हसबैंड भी नहीं बन पाया'। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राबड़ी देवी के बीच सीधा टकराव देखने को मिल रहा है। दरअसल, विपक्ष के विधायक एमएलसी 65 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हंगामा कर रहे थे।

वे आरक्षण के मुद्दे वाली टीशर्ट भी पहनकर पहुंचे थे। इसी दौरान नीतीश ने राबड़ी को निशाने पर लेते हुए कहा कि ''अरे बैठो ना तुम, तेरे हस्बैंड का है, तेरा क्या चीज है, तू बैठ जा, जो है वो हस्बैंड का है। सब लोगों को कहा कि यही (टीशर्ट) पहन कर चलो। ई बेचारी को कुछ आता नहीं है। पति जब रिजेक्ट हुआ, तो इसको सीएम बना दिया था। ये तो ऐसे ही है''। दूसरी तरफ बिहार की सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वालीं रोहिणी ने मां राबड़ी पर नीतीश के हमले का जवाब ठेठ भोजपुरी अंदाज में नीतीश पर निशाना बनाते हुए दिया। रोहिणी ने कहा- ''अरे तू चुप्पे रहअ न... जादा मुंह मत फाड़ेअ... तोहरा तेअ बोले के मुंह नय हो... तू ओकरे गोदी में जा बईठलअ जे तोहर डीएनए में खोट बतईल को.. आऊर तू तेअ सही हस्बेंडो न बनपईलअ, तू तेअ जेकर -तेकर नाम पर ट्रेन चलाबे के फेरा में अपन परिवार नाश लेले.. तू तेअ जोगाड़ के दम पर कुर्सी पर चमोकन माफिक चिपकल हेअ, तीन नंबर के पार्टी के तीन नंबरिया जोगाडू नेता''।

गौरतलब है कि बिहार में

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सदस्यों ने वंचित जातियों के लिए 65 प्रतिशत कोटा बहाल करने में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की कथित अक्षमता के विरोध में विधानसभा के अंदर फर्नीचर पलटने की कोशिश की। राज्य में मुख्य विपक्षी राजद के अधिकांश विध ायक हरे रंग की टी-शर्ट पहनकर और बिल्ला लगाकर विधानसभा पहुंचे थे। हरा रंग राजद का प्रतीक है। प्रदर्शनकारी राजद विधायकों ने हाथों में पोस्टर और तख्तियां ली हुई थीं, जिनपर सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए 'आरक्षण खोर, आरक्षण चोर' जैसा नारा लिखा हुआ था। प्रश्नकाल शांतिपूर्ण तरीके से चला, लेकिन शून्यकाल के दौरान उस समय हंगामा शुरू हो गया, जब राजद के अख्तरुल इस्लाम शाहीन उठे और कोटा में बढ़ोतरी के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पढ़ा। कोटा में बढ़ोतरी को 2023 में लागू किया गया था, लेकिन पटना उच्च न्यायालय ने इसे खारिज कर दिया था। वही

संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने कोटा बढ़ाया है और सरकार ने ही सबसे पहले जाति सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिससे 1931 की जाति जनगणना के बाद पिछड़े वर्गों, दलितों और आदिवासियों की आबादी में वृद्धि सामने आई। चौधरी के बयान से विपक्षी सदस्य भड़क गए और उनमें से कई विधायक सदन के बीचो-बीच आकर नया विधेयक लाने और पारित होने के बाद उसे न्यायिक समीक्षा से संरक्षित रखने की मांग करने लगे।

बिहार के फिर मुख्यमंत्री बनेंगे नीतीश कुमार

भारतीय जनता पार्टी के सांसद जनार्दन सिग्रीवाल अपने राज्य बिहार समेत देश में रेल मंत्रालय द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से राजग सरकार बनेगी। बिहार के महाराजगंज से भाजपा सदस्य सिग्रीवाल लोकसभा में श्वर्ष 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगोंश पर चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेलवे के क्षेत्र में हुए कार्यों को गिनाते हुए दावा किया कि आजादी के बाद देश में इस क्षेत्र में इतना काम नहीं हुआ जितना पिछले 10 साल में हुआ है।

☞ **1000 आरओबी और आरयूबी का निर्माण होगा :-** सिग्रीवाल ने वर्ष 2025-26 के बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि रेलवे के लिए इसमें अब तक का सबसे अधिक आवंटन किया गया है और देश में नए रेल मार्गों का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे में कनेक्टिविटी बढ़ाने के साथ ही सुरक्षा बढ़ाने के लिए 1000 आरओबी और आरयूबी का निर्माण अगले वित्त वर्ष में किया जाएगा। सिग्रीवाल ने कहा कि रेलवे ने पिछले 10 साल में देश में रेल सुविधाओं में अत्यधिक विस्तार किया है और रेलवे स्टेशनों को विमानपत्तनों जैसा और उनसे भी अच्छा बनाने का काम किया जा रहा है। भाजपा सांसद ने कहा कि मोदी सरकार में रेलवे ने बिहार के उत्तर और दक्षिणी भागों को जोड़ने का काम किया है।

☞ **बिहार में हर वर्ष 275 किलोमीटर रेल लाइन बिछाई जा रही :-** उन्होंने कहा कि बिहार में हर वर्ष 275 किलोमीटर रेल लाइन बिछाई जा रही है। 2014 से अब तक बिहार में 1832 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछाई गई हैं, जो मलेशिया जैसे देश के पूरे रेल नेटवर्क के बराबर हैं। उन्होंने बिहार में रेलवे समेत अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय विकास कार्य होने का दावा करते हुए कहा कि बिहार में बहार है और 2025 में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार बनेगी। तेलुगुदेशम पार्टी के एम. श्रीनिवासुलु रेड्डी ने कहा कि आंध्रप्रदेश में अमृत भारत स्टेशनों का काम धीमे चल रहा है जिसे गति प्रदान करने की जरूरत है। उन्होंने देश में वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की जरूरत बताते हुए कोरोना वायरस महामारी के दौरान बंद कर दी गई ट्रेनों को बहाल करने की मांग सरकार से की।

☞ **रेलवे में होने वाली दुर्घटनाओं का जिक्र :-** समाजवादी पार्टी (सपा) के लालजी वर्मा ने चर्चा में भाग लेते हुए रेलवे में होने वाली दुर्घटनाओं का जिक्र किया और सरकार से इस ओर ध्यान देने की मांग की। उन्होंने ट्रेनों के देरी से चलने पर भी चिंता जताई। वर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार के दावों के विपरीत रेलवे में सुरक्षा के साथ ही प्लेटफॉर्म के सौंदर्यीकरण और शौचालय आदि सुविधाओं में कोई सुधार नहीं हुआ है। चर्चा में जनता दल (यूनाइटेड) के दिलेश्वर कामैत ने भी भाग लिया।

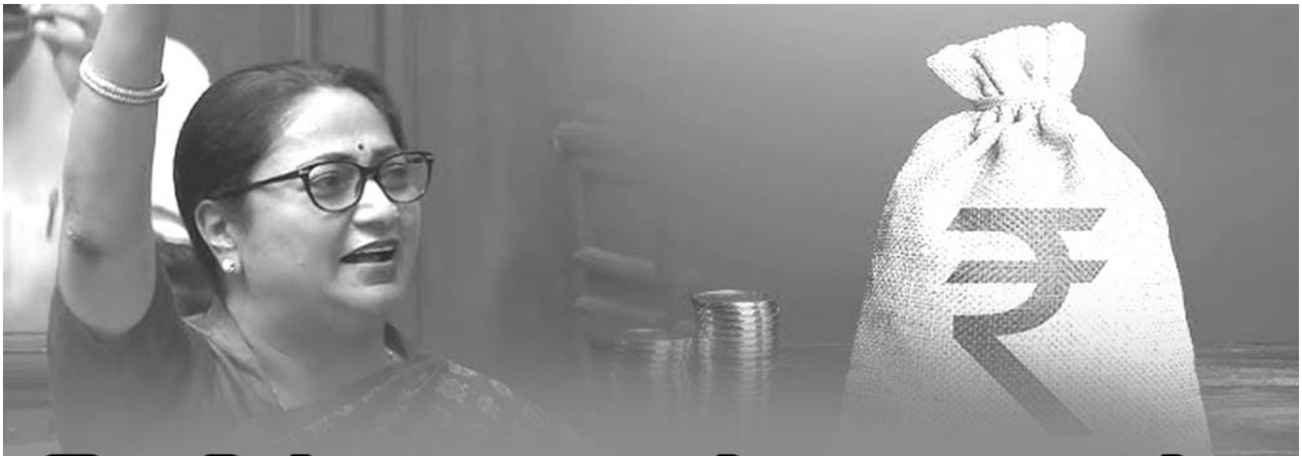

दिल्ली में 1 लाख करोड़ का बजट पेश

● संजय सिन्हा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख करोड़ रुपए का बजट मंगलवार को पेश किया जिसमें बिजली, सड़क, पानी और संपर्क सहित 10 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक बजट करार दते हुए इस बात पर जोर दिया कि भ्रष्टाचार और अक्षमता का दौर अब समाप्त हो गया है, क्योंकि सरकार ने पूंजीगत व्यय को दोगुना कर 28,000 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट परिव्यय पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 31.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाल रही गुप्ता ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि यह कोई साधारण बजट नहीं है, यह बजट पिछले 10 वर्षों में बर्बाद हुई दिल्ली के विकास की दिशा में पहला कदम है। पिछले एक दशक में दिल्ली विकास के हर पहलू में पिछड़ती चली गई। पिछली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी की आर्थिक स्थिति को बर्बाद कर दिया। बजट में मुख्य तौर पर यमुना नदी की सफाई और पुनरुद्धार पर ध्यान दिया गया जो साबरमती रिवर फ्रंट परियोजना से प्रेरित है। सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित करने का प्रस्ताव किया जिससे यह सुनिश्चित होगा कि 40 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के विकेंद्रीकरण के माध्यम से केवल उपचारित पानी ही नदी में जाए। इसके अलावा STP की मरम्मत तथा उन्नयन के लिए 500 करोड़ रुपए और पुरानी सीवर लाइन को बदलने के लिए 250 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। वहीं स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है तथा

संबंधित परियोजनाओं के लिए 9,000 करोड़ रुपए आवंटित करने का प्रस्ताव है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 6,874 करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जिसमें स्वास्थ्य व कल्याण केंद्र स्थापित करने और आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहल का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के भीतर बेहतर परिवहन संपर्क के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। महिलाओं के कल्याण के मकसद से पात्र महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरे शहर में 50,000 सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। गुप्ता ने घोषणा की कि सरकार का लक्ष्य दिल्ली को निवेश व नवाचार के अनुकूल शहर बनाना है। इसके लिए नई औद्योगिक नीति और नई गोदाम नीति पेश की जाएगी। व्यापारी कल्याण बोर्ड की भी स्थापना की जाएगी। लघु उद्योगों को सहायता देने के लिए मधुमक्खी पालन सहित कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए 50 करोड़ रुपए प्रस्तावित किए गए हैं। सरकार ने

लागू होगी आयुष्मान भारत बीमा योजना

दिल्ली सरकार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लागू करने के लिए 18 मार्च को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही, दिल्ली स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला 35वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन जाएगा। अब पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य रहेगा, जिसने इस योजना को नहीं अपनाया है। बताया जा रहा है कि 18 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और पांच परिवारों को एबी-पीएमजेएवाई कार्ड दिए जाएंगे, जिससे वे इस योजना के लाभार्थी बन जाएंगे। योजना का कार्यान्वयन दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रमुख वादों में से एक था। पिछली आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार ने अपनी खुद की योजना शुरू की थी और

एबी-पीएमजेएवाई को लागू करने से इनकार कर दिया था। भाजपा ने पांच फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता और 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में सत्ता में वापसी की।

☞ **क्या है योजना में खास :-** एबी-पीएमजेएवाई भारत की आबादी के आर्थिक रूप से कमजोर 40 प्रतिशत हिस्से में शामिल 12.37 करोड़ परिवारों के साथ लगभग 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में प्रति परिवार, हर वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करता है। केंद्र सरकार ने 29 अक्टूबर, 2024 को 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति से इतर, प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार का लाभ प्रदान करने के लिए एबी-पीएमजेएवाई का विस्तार किया था।

झुग्गी-बस्तियों के विकास के लिए 696 करोड़ रुपए और पूरे शहर में 100 अटल कैंटीन स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित करने का प्रस्ताव किया। दिल्ली सरकार शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सरकार 'पीएम श्री स्कूल' से प्रेरित होकर नई शिक्षा नीति के अनुरूप 'सीएम श्री स्कूल' शुरू करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इन स्कूलों के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली सरकार 10वीं कक्षा पास करने वाले 1,200 विद्यार्थियों को मुफ्त लैपटॉप उपलब्ध कराएगी और इसके लिए 750 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर होगी एफआईआर

● **संजय सिन्हा**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में 1300 करोड़ रुपए के घोटाले में आप नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय ने 2022 में घोटाले की जांच की सिफारिश की थी और मुख्य सचिव को एक रिपोर्ट सौंपी थी। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय सतर्कता आयोग ने 17 फरवरी, 2020 की एक रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग द्वारा दिल्ली सरकार

के स्कूलों में 2400 से अधिक कक्षाओं के निर्माण में घोर अनियमितताओं को उजागर किया। दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय ने 2022 में घोटाले की जांच की सिफारिश की थी और मुख्य सचिव को एक रिपोर्ट सौंपी थी। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में सिसोदिया और जैन के मंत्री रहने के दौरान हुए घोटाले के संबंध में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने 17 फरवरी, 2020 की एक रिपोर्ट में लोक निर्माण

विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा दिल्ली सरकार के स्कूलों में 2400 से अधिक कक्षाओं के निर्माण में घोर अनियमितताओं को उजागर किया।

गौरतलब है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे सत्येंद्र जैन की मुश्किलें कम होने के नाम नहीं ले रही हैं। अरविंद केजरीवाल के सबसे खास सिपहसालारों में शामिल जैन के खिलाफ Anti & Corruption Branch (ACB) ने बड़ा कदम उठाया है। भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले में उनके खिलाफ FIR दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने 571 करोड़ रुपए के CCTV प्रोजेक्ट में 16 करोड़ रुपए का जुर्माना माफ करने के लिए 7 करोड़ रुपए की रिश्वत ली। वही संयुक्त पुलिस आयुक्त (एसीबी) मधुर वर्मा ने बताया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। वर्मा ने एक बयान में कहा कि जैन पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली भर में सीसीटीवी कैमरे लगाने में देरी के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) पर लगाए गए 16 करोड़ रुपये के क्षतिपूर्ति जुर्माने को मनमाने ढंग से माफ कर दिया। यह छूट कथित तौर पर सात करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के बाद दी गई। वर्मा ने कहा कि कई शिकायतों से पता चला है कि परियोजना का क्रियान्वयन लचर तरीके से किया गया तथा कई कैमरे सौंपे जाने के समय काम नहीं कर रहे थे। बयान के अनुसार, यह मामला एक समाचार रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें दावा किया गया था कि सीसीटीवी परियोजना के नोडल अधिकारी जैन को बीईएल और उसके ठेकेदारों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने के बदले में सात करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई थी। दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने में हुई देरी के कारण तत्कालीन आप सरकार ने अगस्त 2019 में जुर्माना लगाया था। सत्यापन के दौरान, बीईएल के एक अधिकारी ने आरोपों का समर्थन करते हुए एक विस्तृत शिकायत दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने वर्मा कहा कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जुर्माना माफ करने के अलावा बीईएल को 1.4 लाख अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर दिए गए थे। वर्मा ने बताया कि रिश्वत कथित तौर पर ठेकेदारों के माध्यम से दी गई थी, जिन्हें अतिरिक्त कैमरा लगाने के ऑर्डर मिले थे। उन्होंने बताया कि एसीबी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और बीईएल से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। वर्मा ने बताया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 (लोक सेवक को रिश्वत देने से संबंधित अपराध) और धारा 13(1)(ए) (लोक सेवक द्वारा आपराधिक कदाचार) के साथ आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया गया है। बयान में कहा गया है कि पूरी साजिश और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों तथा बीईएल अधिकारियों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए व्यापक जांच शुरू की गई है।

दिगर बात है कि आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री एवं तत्कालिन मुख्यमंत्री आतिशी ने जैन के खिलाफ प्राथमिकी को ''राजनीतिक प्रतिशोध'' का मामला बताया। वहीं, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने जैन पर सात करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब जांच एजेंसियां ''अपना काम छोड़कर 'बॉस' के आदेश पर राजनीतिक प्रतिशोध शुरू कर देती हैं...।'' आतिशी ने संसद में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के एक जवाब को रेखांकित करने वाला एक दस्तावेज भी साझा किया, जिसमें दावा किया गया था कि पिछले 10 वर्षों में राजनीतिक नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किए गए 193 मामलों में से केवल दो में ही दोषसिद्धि हुई। सचदेवा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने वर्षो तक भ्रष्टाचार के मामले को छुपाया।

Uttar Pradesh govt to develop Ramayan Park in Ghaziabad

The Ghaziabad Development Authority (GDA) is set to commence work on Ramayan Park, Sanskriti Darshan Park and Greenwood Park from April in line with Chief Minister Yogi Adityanath's vision to transforming Uttar Pradesh into Uttam Pradesh, official sources said here on Thursday.

Sources said that the master plan for the Ramayan Park has already been finalised. "The park will feature a 5D motion chair theatre and a mirror house, while installations such as holographic projections, a light and sound show and artistic representations of Ramayan-era characters will be developed at a cost of over Rs 26.26 crore," they said. Similarly, Sanskriti Darshan Park and Greenwood Park will see construction and development projects worth Rs 16.57 crore, with work set to begin in April. Sources said that the GDA aims to provide visitors with an engaging and educational experience through the Ramayan Park. "This Ramayan-themed park will integrate modern technology with India’s rich cultural heritage, offering an immersive journey into the epic. Designed as a historical landmark, the park will attract both residents and tourists, strengthening the city's identity and fostering a sense of community pride," they said.

Sources said that as per the master plan, the park will feature 45 artistic installations, including 15 sculptures of Ramayan-era characters. "It will also include multimedia entertainment elements such as a mirror maze, holographic projections, a 5D motion chair theater and a kids' activity zone," they said. Sources said that the designated land for the park is located at Koyal Enclave, Loni Bhopura Road, covering an area of 22,700 square meters (5.61 acres). "Revenue generation for GDA will come from entry tickets, parking fees, advertisements, the mirror maze and the 5D auditorium. The entire project is set to be completed within a year," they said. According to the master plan, Sanskriti Darshan Park will be developed on a 10.3-acre site located at Hathi Park/ Rani Avanti Bai Park. The park will feature a kids' activity area along with various public amenities. A special highlight of this park will be art installations made from recycled materials, promoting environmental conservation values. Similarly, Greenwood Park will be developed at Nimbu Park, covering 3.95 acres. This park will include food kiosks, allowing visitors to enjoy a variety of cuisines. Both parks will feature 22 unique art installations. The development work for both parks is expected to be completed within six months. Besides, Ramayan Park, Sanskriti Darshan Park and Greenwood Park will be equipped with CCTV surveillance, toilet blocks and walking lanes, ensuring a well-maintained and visitor-friendly environment.

गाय के गोबर से अखिलेश यादव को आई दुर्गंध

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यह कहते हुए भाजपा को दुर्गंध का स्रोत बताया कि भाजपाइयों को दुर्गंध पसंद है तभी वे गौशाला खोल रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी ने परफ्यूम पार्क खोला। अखिलेश के बयान पर बवाल मच गया। केशव प्रसाद मौर्य से लेकर संबित पात्रा तक कई भाजपा नेताओं ने उन पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कन्नौज में मीडिया से बातचीत में कहा कि कन्नौज ने हमेशा से ही भाईचारे की खुशबू फैलाई है, जबकि भाजपा नफरत की बदबू फैला रही है। मैं कन्नौज के लोगों से भाजपा की बदबू पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह करता हूं। यह कुछ हद तक घट गई है, लेकिन अगली बार इसे पूरा हटा दें, ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके। अखिलेश ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें (भाजपाइयों को) बदबू पसंद है तभी वे गौशालाएं खोल रहे हैं। हमें खुशबू पसंद है, तभी हम एक परफ्यूम पार्क बना रहे हैं। यादव की इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया पर पलटवार किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'किसान, खासकर ग्वाल के बेटे, को अगर गाय के गोबर से दुर्गंध आने लगे तो समझना चाहिए कि वह अपनी जड़ों और समाज से पूरी तरह कट चुका है। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद ने लिखा था कि किसान के बेटे को अगर गोबर से दुर्गंध आने लगे तो अकाल तय है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी गोबर से दुर्गंध आ रही है। उनकी पार्टी का भी समाप्त होना तय है।' भाजपा सांसद एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यादव की टिप्पणी को 'भड़काऊ' करार देते हुए कहा कि भारत सनातन का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ अखिलेश यादव को गौशाला में दुर्गंध नजर आती है, वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी के दोस्त और कांग्रेस विधायक को साधु संतों में सांड दिखता है। उसी कांग्रेस विधायक ने महाकुंभ के खिलाफ भी टिप्पणी की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उनका सनातन धर्म से कोई लगाव नहीं है और वे सनातन विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि मैं तो कहूंगा कि हिंदुस्तान में रहते हुए अगर आप सनातन का विरोध करते हैं, गाय माता से दुर्गंध लेकर संत को 'छुट्टा सांड' कहते हैं तो आपको हिंदुस्तान में राजनीति करना छोड़ देना चाहिए। आपको उस भूमि की खोज करनी चाहिए जहां आप सनातन का अपमान कर सकें और उस देश में इसे सहन किया जाए। यह देश सनातन का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने यादव की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की और कहा कि सपा प्रमुख को वोटों में विश्वास है, धर्म में नहीं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जैसे लोग जरूरत पड़ने पर वोट के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। सिंह ने कहा कि यादव ने नमाज पढ़ना शुरू कर दिया है।

माय लॉर्ड! यह कैसी टिप्पणी
बेटियों को बचाना चाहते हैं या अपराधियों को?

कानून अंधा होता है, लेकिन क्या संवेदनहीन भी होता है? संवेदनहीन इस हद तक कि कहने लगे कि किसी 11 साल की बच्ची को पुलिया के नीचे खींचना, उसके स्तनों को दबाना और उसके पैजामे का नाड़ा तोड़ देना, रेप नहीं हैं। यह टिप्पणी है इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश राम मनोहर मिश्र की। साथ ही जज साहब ने 'अपराध की तैयारी' और 'सच में अपराध करने का प्रयास करने में भी अंतर बताया'। उनकी इस बेहूदा टिप्पणी ने देश में एक बड़ी बहस का आगाज कर दिया है। जैसे ही ये खबर सोशल मीडिया पर आई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जज साहब को खरी खोटी सुनाना शुरू कर दी। यहां तक की कुछ लोगों ने तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए सवाल पूछ डाले।

बताते चले कि यह पूरा मामला 2021 का है, जब आरोपियों ने एक नाबालिग बच्ची के साथ लिफ्ट देने के बहाने रेप करने का प्रयास किया। वे उसे पुलिया से नीचे खींच कर ले गए, उसके प्राइवेट पार्ट्स दबाए और उसके पजामे का नाड़ा तोड़ दिया। लेकिन तभी पीड़िता की आवाज सुन कुछ राहगीर वहां पहुंच गए और आरोपी मौके से भागने पर मजबूर हो गए। गौरतलब है कि 17 मार्च 2025 को दिए आदेश में जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्र ने कहा कि 'रेप के प्रयास का आरोप लगाने के लिए यह साबित करना होगा कि यह तैयारी के चरण से आगे की बात थी। अपराध करने की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच अंतर होता है।' अदालत ने यह भी कहा कि 'गवाहों ने यह नहीं कहा है कि आरोपी के इस कृत्य के कारण पीड़िता नग्न हो गई या उसके कपड़े उतर गए। ऐसा कोई आरोप नहीं है कि आरोपी ने पीड़िता के यौन उत्पीड़न की कोशिश की।' इसके बाद कोर्ट में निर्देश दिए कि आरोपी पर आईपीसी की धारा 354 (B) और पोक्सो अधिनियम की धारा 9 और 10 (गंभीर यौन हमले) के तहत मुकदमा चलाया जाए। अदालत की इस संवेदनहीन टिप्पणी के बाद लोगों की तीखी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ से आ गई है। निश्चित ही यह सोचनीय स्थित है। जब देश की उच्च अदालत के एक सम्मानित जज की ओर से महिला सुरक्षा और सम्मान को ताख पर रख इस तरह की संवेदनहीन टिप्पणी आए तो महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ना लाजमी है। देश का उच्च न्यायालय वो जगह है, जिसकी तरफ समाज भरोसे से देखता है। जहां लिए गए फैसले महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान को सुनिश्चित करते हुए होने चाहिए। लेकिन इससे उलट जब वहां के जज ही पीड़ित नाबालिग बच्ची के विरुद्ध हुए अपराध को हल्के में लेने लगें तो क्या इससे महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और अपराधियों के क्रूर इरादों को और हवा नहीं मिलेगी। किसी बच्ची के साथ की गई बदतमीजी और बदसुलूकी को क्या इस तरह से केटेगराइज किया जा सकता है? ये सवाल तब और भी अहम हो जाता है जब इस तरह की हल्की बात और कोई नहीं बल्कि न्यायपालिका की ऊंची कुर्सी बैठ कर खुद न्यायाधीश कर रहे हों? चिंताजनक बात यह है कि देश में बाल और महिला अपराधों के मामले रोज बढ़ रहे हैं और सख्त कानून के अभाव में अपराधियों पर नकेल कसना पहले से ही मुश्किल है। ऐसे में उच्च न्यायालय के जज की ओर से ही यदि अपराध की गंभीरता को हल्के में लिया जाएगा तो क्या इससे अपराधियों के हौसले को बढ़ावा नहीं मिलेगा? क्या देश के उच्च न्यायालय के जज की कुर्सी पर बैठे

व्यक्ति को महिलाओं और बच्चियों से जुड़े अपराधों के मामलों में और अधिक संवेदनशील और सतर्क होकर अपनी बात नहीं कहनी चाहिए। ये पहली घटना नहीं है जब महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में हमारी न्यायपालिका की ओर से इस तरह की चौंकाने वाली टिप्पणी आई है जो हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या इस तरह से हम आने वाले समय में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में पुख्ता कदम उठा पाएंगे।

बहरहाल, इलाहाबाद हाईकोर्ट न्यायालय के हाल ही में दिए विवादित फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। कानूनी विशेषज्ञों ने बलात्कार के आरोप की परिभाषा पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी की निंदा की थी और न्यायाधीशों से संयम बरतने को कहा था। कानूनी विशेषज्ञों ने बलात्कार के आरोप की परिभाषा पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी की निंदा की थी और न्यायाधीशों से संयम बरतने को कहा था। विशेषज्ञों ने कहा था कि ऐसे बयानों के कारण न्यायपालिका में लोगों के विश्वास में कमी आती है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादास्पद फैसले का स्वत: संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया था कि केवल स्तन पकड़ना और पजामा का नाड़ा तोड़ना दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का मामला नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ मामले की सुनवाई करेगी। ज्ञात हो कि हाईकोर्ट ने 17 मार्च को फैसला सुनाया था कि केवल स्तन पकड़ना और पजामा का नाड़ा तोड़ना बलात्कार का अपराध नहीं है, ऐसा अपराध किसी महिला के खिलाफ हमला या आपराधिक बल के इस्तेमाल के दायरे में आता है, जिसका उद्देश्य उसे निर्वस्त्र करना या नग्न होने के लिए मजबूर करना है। यह आदेश न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा ने उन दो व्यक्तियों की एक समीक्षा याचिका पर पारित किया था, जिन्होंने कासगंज के एक विशेष न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया। विशेष न्यायाधीश ने याचिकाकर्ताओं को अन्य धाराओं के अलावा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत तलब किया था। हाईकोर्ट का यह फैसला पवन और आकाश नाम के दो लोगों से जुड़े एक मामले पर आया था। जिन्होंने कथित तौर पर अपनी मां के साथ चल रही नाबालिग के स्तनों को पकड़ा, उसके पायजामे का नाड़ा फाड़ दिया और उसे एक पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की। शुरुआत में उन पर रेप और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया कि उनके कृत्य रेप या रेप के प्रयास के रूप में योग्य नहीं थे बल्कि इसकी बजाय वे गंभीर यौन उत्पीड़न के कमतर आरोप के अंतर्गत आते हैं, जो दंडनीय है।

Firefighters help doctor remove stuck iron washer from man's private part

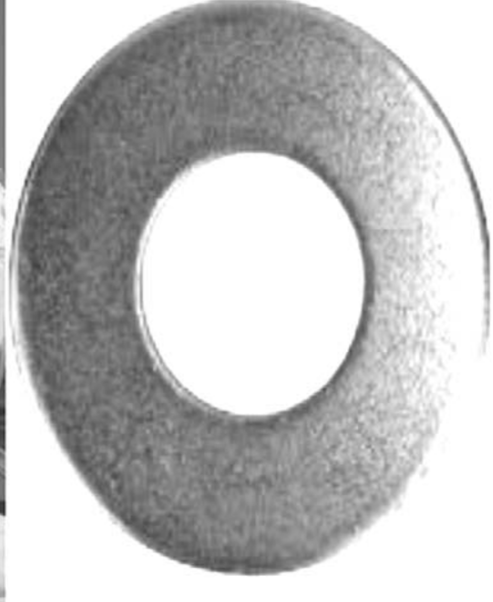

A 46-year-old man in Kerala's Kanhangad faced a medical emergency when an iron washer got stuck around his genital area. Despite efforts by doctors, the washer could not be removed, prompting a call for assistance to the Fire and Rescue team. The patient had been suffering for three days before seeking medical help, resulting in severe swelling that obstructed urination. Fire and Rescue personnel used a ring cutter to carefully remove the washer in a delicate two-hour operation. The patient was sedated during the procedure, and a five-member Fire and Rescue team worked meticulously to avoid causing harm. The exact circumstances of how the washer became stuck remain unclear, with the man claiming someone placed it on him while he was intoxicated.

भारत की शहजादी को यूएई में फांसी

इश्क, फरेब और आखिरी ख्वाहिश पूरी होने की कहानी

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में एक भारतीय महिला शहजादी खान को 15 फरवरी 2025 को फांसी दी गई। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के गांव गोयरा की रहने वाली शहजादी पर चार महीने के एक बच्चे की हत्या का आरोप था। विदेश मंत्रालय ने 3 मार्च 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया कि यह सजा यूएई के कानून के तहत लागू की गई। खास बात यह है कि फांसी से पहले उनकी आखिरी ख्वाहिश भी पूरी की गई थी। लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं-क्या भारत सरकार इस नागरिक की जान बचा सकती थी? वहीं उसके पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी शहजादी खान को न्याय नहीं मिला और भारत सरकार ने परिवार को कोई सहायता नहीं दी। परिवार के वकील अली मोहम्मद ने फांसी को 'न्यायिक हत्या की आड़ में न्यायेतर हत्या' करार दिया है।

बताते चले कि शहजादी खान पर यूएई के अबू धाबी में चार महीने के एक बच्चे की हत्या का आरोप लगा था। यह घटना दिसंबर 2022 में हुई, जब बच्ची की देखभाल की जिम्मेदारी शहजादी पर थी। बताया जाता है कि 2020 में शहजादी की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए आगरा के रहने वाले उजैर से हुई। इश्क परवान चढ़ा। उजैर भी उसे जले हुए चेहरे के साथ अपनाने को तैयार था। शहजादी ने उस पर भरोसा कर लिया। उजैर ने उसे धन कमाने का रास्ता भी बता दिया। उजैर ने शहजादी को अबू धाबी में अपनी फूफी नाजिया के घर भेज दिया था। नाजिया वहां एक यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थीं। शहजादी को जब तक असलियत समझ आती काफी देर हो चुकी थी। पढ़ी-लिखी शहजादी घर की नौकरानी बनकर रह गई। उसका पासपोर्ट नाजिया और उसके पति के पास था। कुछ समय बाद नाजिया ने एक बच्चे को जन्म दिया। बस, यहीं से शहजादी की बर्बादी की कहानी

शुरू हो गई। बच्ची की मौत के बाद माता-पिता ने पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में एक कथित वीडियो सामने आया जिसमें शहजादी ने हत्या की बात कबूल की। उनके परिवार का दावा है कि यह कबूलनामा जबरदस्ती करवाया गया। यूएई की अदालत ने नवंबर 2024 में सुनवाई पूरी की और शहजादी को मौत की सजा सुनाई। यूएई का कानून संगीन अपराधों में सख्त सजा के लिए जाना जाता है और इस मामले में भी कोई रियायत नहीं बरती गई। यूएई में हत्या जैसे गंभीर अपराधों के लिए मौत की सजा का प्रावधान है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई में फांसी की सजा को लागू करने से पहले कड़ी कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाती है। पिछले कुछ सालों में वहां कई विदेशी नागरिकों को भी ऐसी सजा दी गई है। शहजादी का मामला भी इसी कानून के दायरे में आया। शहजादी खान की फांसी एक दुखद घटना है, जो कई सबक छोड़ गई। यह हमें बताती है कि विदेश में कानून का पालन कितना जरूरी है और साथ ही यह सवाल भी उठाती है कि क्या भारत सरकार अपने नागरिकों की जान बचाने के लिए और कदम उठा सकती थी। उनकी आखिरी ख्वाहिश पूरी होना एक मानवीय पहलू को दर्शाता है, लेकिन इस कहानी का अंत दर्दनाक ही रहा। क्या आपको लगता है कि इस मामले में कुछ और किया जा सकता था?

गौरतलब है कि शब्बीर खान ने बताया कि उनकी बेटी अबू धाबी में नाजिया नाम की एक महिला के लिए काम करती थी, जिसने हाल में एक बच्चे को जन्म दिया था। शब्बीर खान के अनुसार जब बच्चा चार महीने का था, तो उसे एक टीका लगाया गया था, जो आमतौर पर छह महीने में दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिशु की मौत टीके की वजह से हुई थी, लेकिन शहजादी पर गलत तरीके से हत्या का आरोप लगाया गया और उसे मौत की सजा सुनाई गई। शब्बीर खान ने दावा किया कि बच्चे की मां ने शहजादी की दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया, जिसके कारण उसे फांसी की सजा मिली। फांसी से पहले शहजादी की आखिरी ख्वाहिश थी कि वे अपने माता-पिता से बात कर सकें। 14 फरवरी 2025 को यूएई प्रशासन ने उन्हें यह मौका दिया। शहजादी ने अपने परिवार को फोन किया और कहा कि यह मेरा आखिरी कॉल है। उन्होंने अपनी अम्मी और अब्बू से बात करने की इच्छा जताई, जो पूरी हो गई। यूएई में सजा-ए-मौत से पहले कैदियों को उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने का अधिकार है और शहजादी के मामले में यह मानवीय कदम उठाया गया। यह एक भावनात्मक पल था, जिसने इस दुखद कहानी को और गहरा बना दिया। शहजादी के पिता शब्बीर खान ने कहा कि उनकी बेटी को न्याय नहीं मिला। हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। हमने भारत सरकार से संपर्क किया और कई जगहों पर आवेदन दिए, लेकिन हमारे पास न तो पैसे थे और न ही वहां जाकर वकील करने का कोई साधन था। सरकार ने हमारा साथ नहीं दिया। शहजादी खान 10 फरवरी, 2023 से अबू धाबी पुलिस की हिरासत में थी और उसे 31 जुलाई, 2023 को मौत की सजा सुनाई गई थी। उसे फांसी दिये जाने की खबर को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान सामने आई, जब विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसे पिछले महीने फांसी दी जा चुकी है। उसका अंतिम संस्कार अबू धाबी में पांच मार्च को होगा। शहजादी खान के परिवार को 28 फरवरी तक उसे फांसी दिए जाने के बारे में जानकारी नहीं थी। इसकी आधिकारिक पुष्टि होने पर परिवार को जानकारी मिली। शब्बीर खान ने कहा कि उन्होंने

शहजादी खान मामले की टाइमलाइन

- दिसंबर 2021 :- शहजादी खान यूएई के अबू धाबी गई थीं ताकि पैसा कमाकर अपने चेहरे के जले हुए निशानों की सर्जरी करवा सके। शहजादी वहां घरेलू सहायिका और बच्चों की देखभाल का काम करने लगीं।
- अगस्त 2022 :- उनके मालिक के घर एक बेटे का जन्म हुआ, जिसकी देखभाल शहजादी को सौंपी गई।
- 7 दिसंबर 2022 :- चार महीने का शिशु टीकाकरण के बाद मर गया। माता-पिता ने पोस्टमॉर्टम से इनकार किया।
- 10 फरवरी 2023 :- एक वीडियो सामने आने के बाद शहजादी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। परिवार का दावा है कि कबूलनामा जबर्दस्ती लिया गया।
- 31 जुलाई 2023 :- अबू धाबी की अदालत ने शहजादी को मौत की सजा सुनाई।
- सितंबर 2023 :- उनकी अपील खारिज हो गई।
- 28 फरवरी 2024 :- यूएई की सर्वोच्च अदालत ने मौत की सजा को बरकरार रखा।
- मई और 11 जुलाई 2024 :- शहजादी के पिता शब्बीर खान ने भारतीय दूतावास के जरिए दया याचिकाएं दायर कीं।
- 13 फरवरी 2025 :- पीएम नरेंद्र मोदी ने यूएई का दौरा किया।
- 14 फरवरी 2025 :- शहजादी ने अपने परिवार को आखिरी कॉल किया और फांसी की सूचना दी।
- 15 फरवरी 2025 :- शहजादी को अबू धाबी में फांसी दी गई।
- 20-21 फरवरी 2025 :- शब्बीर खान ने अपनी बेटी की स्थिति जानने के लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क किया।
- 28 फरवरी 2025 :- यूएई ने भारतीय दूतावास को फांसी की सूचना दी।
- 3 मार्च 2025 :- विदेश मंत्रालय ने दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया।
- 5 मार्च 2025 :- शहजादी का अंतिम संस्कार अबू धाबी में होना तय है।

अपनी बेटी से आखिरी बार 14 फरवरी को बात की थी। इसके एक दिन बाद ही उसे फांसी दी गई। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार ने कोई समर्थन का आश्वासन दिया था, इस पर शब्बीर खान ने कहा कि नहीं, हमें कोई सहायता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने नेताओं और यहां तक कि फिल्मी हस्तियों से भी संपर्क किया था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए शब्बीर खान ने कहा कि योगी जी और मोदी जी की बेटियां नहीं हैं, इसलिए वे इस दर्द को नहीं समझ सकते। अगर उनका कोई करीबी होता, तो वे कार्रवाई करते।

दिगर बात है कि 13 फरवरी 2025 को पीएम नरेंद्र मोदी ने यूएई का दौरा किया, जो शहजादी की फांसी से ठीक दो दिन पहले था। इस दौरान उन्होंने यूएई के नेताओं से मुलाकात की, लेकिन इस मामले पर कोई चर्चा होने का सबूत नहीं मिला। द हिंदू की पत्रकार सुहासिनी हैदर ने एक्स पर लिखा- भारत सरकार ने कोर्ट में कहा कि शहजादी को पिछले महीने फांसी दी गई और हमें 28 फरवरी को सूचना मिली। कई लोगों का मानना है कि इस दौरे के दौरान उनकी सजा को टालने की कोशिश हो सकती थी। विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि यूएई के कानून के तहत सजा दी गई और दूतावास ने हर संभव मदद की। वही विदेश मंत्रालय ने दिल्ली हाई कोर्ट में बताया कि भारतीय दूतावास ने शहजादी को कानूनी सहायता दी और दया याचिकाएं दायर कीं। लेकिन यूएई की संप्रभुता और सख्त कानूनों के चलते सजा को रोका नहीं जा सका। मंत्रालय को फांसी की जानकारी 28 फरवरी को मिली, जो 15 फरवरी को हुई थी। इस देरी ने भी सवाल उठाए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि हमने हर संभव कोशिश की, लेकिन सजा को टालना संभव नहीं हुआ। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास ने शहजादी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार के सामने दया याचिका और माफी का अनुरोध भेजने समेत हर संभव कानूनी सहायता प्रदान की। संयुक्त अरब अमीरात में शहजादी को एक शिशु की हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था और उसे मौत की सजा सुनाई गई थी। संयुक्त अरब अमीरात की सर्वोच्च अदालत 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' ने इस सजा को बरकरार रखा। संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने 28 फरवरी, 2025 को (भारतीय) दूतावास को सूचित किया कि शहजादी की सजा पर अमल स्थानीय कानूनों के अनुसार किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि शहजादी के परिवार को मामले की जानकारी दे दी गई है। वही शहजादी के परिवार ने उनकी सजा कम करने के लिए भारत सरकार से गुहार लगाई थी। उनके पिता शब्बीर खान ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन जब मंत्रालय ने फांसी की पुष्टि की, तो कोर्ट ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण कहकर याचिका खारिज कर दी। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने शहजादी के अपराध की निंदा की, तो कुछ ने सरकार से सवाल पूछे कि क्या और कोशिश हो सकती थी।

बहरहाल, सरकार ने संसद को बताया कि संयुक्त अरब अमीरात में मौत की सजा पाए भारतीय नागरिकों की संख्या 25 है, लेकिन अभी तक इस फैसले पर अमल नहीं हुआ है। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी को यूपी के बांदा की रहने वाली शहजादी को अबू धाबी में फांसी दे दी गई थी। शहजादी को नवजात की मौत के लिए दोषी ठहराया गया था। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या कई भारतीय विदेशों में वर्षों से जेलों में बंद हैं? साथ ही उन भारतीयों का विवरण भी पूछा गया है जो विदेशों में मौत की सजा का इंतजार कर रहे हैं और उनकी जान बचाने के लिए भारत सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं। सिंह ने कहा कि मंत्रालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वर्तमान में विदेशी जेलों में विचाराधीन कैदियों सहित भारतीय कैदियों की संख्या 10 हजार 152 है। मंत्री ने कहा कि सरकार विदेशी जेलों में बंद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को उच्च प्राथमिकता देती है। सिंह ने 8 देशों से संबंधित सारणीबद्ध आंकड़ा साझा किया तथा उन भारतीय नागरिकों की संख्या भी बताई जिन्हें मृत्युदंड दिया गया है, लेकिन निर्णय अभी तक लागू नहीं हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, यह संयुक्त अरब अमीरात में 25 भारतीय, सऊदी अरब में 11 भारतीय, मलेशिया में छह भारतीय, कुवैत में तीन भारतीय तथा इंडोनेशिया, कतर, अमेरिका और यमन में एक-एक भारतीय को मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि विदेशों में भारतीय मिशन/पोस्ट भारतीय नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करते हैं, जिन्हें विदेशी न्यायालयों द्वारा मृत्युदंड सहित सजा सुनाई गई है। भारतीय मिशन/पोस्ट जेलों का दौरा करके काउंसलिंग की पहुंच भी प्रदान करते हैं तथा न्यायालयों, जेल, लोक अभियोजकों और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ उनके मामलों का अनुसरण करते हैं। जेल में बंद भारतीय नागरिकों को अपील, दया याचिका आदि दायर करने सहित विभिन्न कानूनी उपायों की खोज करने में भी सहायता की जाती है।

"What is wrong with black?": Kerala Chief Secretary Sarada Muraleedharan sparks discussion on her skin colour

Kerala Chief Secretary Ms Sarada Muraleedharan has sparked a discussion on discrimination she faces due to her skin colour. In a Facebook post, the Chief Secretary said, "Heard an interesting comment yesterday on my stewardship as chief secretary – that it is as black as my husband's was white. Hmmm. I need to own my blackness."

"This is a post I made today morning, and then deleted because I was flustered by the flurry of responses. I am reposting it because certain well wishers said that there were things there that needed to be discussed. I agree. So here goes, once again," she said in her post on March 25. "Why did I want to call this particular one out? I was hurt, yes. But then these last seven months have been a relentless parade of comparisons with my predecessor, and I have become quite inured. It was about being labelled black (with that quiet sub text of being woman), as if that were something to be desperately ashamed of," she said.

"Black is as black does. Not just black the colour, but black the ne'er do good, black the malaise, the cold despotism, the heart of darkness." "But why should black be vilified? Black is the all pervasive truth of the universe. Black is that which can absorb anything, the most powerful pulse of energy known to humankind." "It is the colour that works on everyone, the dress code for office, the lustre of evening wear, the essence of kajol, the promise of rain." "As a four year old I apparently asked my mother whether she could put me back in her womb and bring me out again, all white and pretty. I have lived for over 50 years buried under that narrative of not being a colour that was good enough," she said. "And buying into that narrative. Of not seeing beauty or value in black. Of being fascinated by fair skin. And fair minds, and all that was fair and good and wholesome. And of feeling that I was a lesser person for not being that - which had to be compensated somehow," she said.

"Till my children. Who gloried in their black heritage. Who kept finding beauty where I noticed none. Who thought that black was awesome. Who helped me see. That black is beautiful. That black is gorgeousness. That I dig black," she concluded.

भारतीय महिला वैज्ञानिक डॉ. सुकन्या के नेतृत्व में डार्क मैटर की खोज

● राम यादव

हमारा ब्रह्मांड जितना दृश्यमान है, उससे कहीं अधिक अदृश्यमान यानी अंधकारमय है। माना जाता है कि ब्रह्मांड के अदृश्यमान हिस्से में श्याम ऊर्जा (डार्क एनर्जी) और श्याम पदार्थ (डार्क मैटर) व्याप्त है। दोनों के अस्तित्व का प्रभाव तो अनुभव किया जाता है, पर उन्हें निर्विवाद प्रमाणित कर सकना टेढ़ी खीर सिद्ध होता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक ब्रह्मांड के 95% भाग के बारे में कुछ नहीं जानते। परमाणु, जिनसे हम और हमारे आसपास की हर वस्तु बनी है, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत ही है! विगत 80 वर्षों की खोजों से वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि ब्रह्मांड का 95 प्रतिशत भाग रहस्यमय श्याम ऊर्जा और श्याम पदार्थ से बना है। श्याम पदार्थ को 1933 मे खोजा गया था। वहीं आकाशगंगाओं और उनके समूहों को एक अदृश्य गोंद के रूप मे बांधे रखे है। 1998 में खोजी गई श्याम ऊर्जा, ब्रह्मांड के विस्तार की गति में त्वरण के लिए उत्तरदायी मानी जाती है। तब भी इन दोनों की वास्तविक पहचान वैज्ञानिकों के लिए अभी तक एक रहस्यमय पहेली बनी हुई है!

श्याम ऊर्जा (डार्क एनर्जी) के बाद ब्रह्मांड का दूसरा सबसे बड़ा घटक श्याम पदार्थ (डार्क मैटर) है। पदार्थ होते हुए भी इसे प्रत्यक्ष रूप से देखा नहीं जा सकता, लेकिन इसके प्रभावों को इसके द्वारा उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण द्वारा ब्रह्मांड के अन्य भागों में हुई प्रतिक्रिया के रूप में पहचाना जा सकता है। श्याम पदार्थ, प्रकाश उत्सर्जित या परावर्तित नहीं करता। किसी भी प्रकार के विकिरण का अवशोषण या उत्सर्जन भी नहीं करता। इसीलिए चित्र लेने की वर्तमान तकनीकें उसका पता नहीं लगा सकतीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि श्याम पदार्थ सामान्य पदार्थ कण (बैरियॉन/ठंतलवद) से बना होता, तो वह साधारण प्रकाश के परावर्तन से दिखाई देता, लेकिन वह दिखाई नहीं देता, इसलिए वह बैरियॉन नहीं है। भौतिकी में बैरियॉन उप-परमाणविक कणों का एक वर्ग है। श्याम पदार्थ की उपस्थिति साधारण पदार्थ पर उसके गुरुत्व-प्रभाव से महसूस की जा सकती है। उस की उपस्थिति के लिए किए गए निरीक्षणों में प्रमुख हैं, आकाशगंगाओं की घूर्णन गति, आकाशगंगाओं के किसी समूह (क्लस्टर) में किसी आकाशगंगा की कक्षा-गति, किसी आकाशगंगा या आकाशगंगाओं के समूह में गर्म गैसों के तापमान का वितरण। यह भी कहा जाता है कि श्याम पदार्थ का प्रभाव ब्रह्मांडीय विकिरण के फैलाव और वितरण में भी रहा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि श्याम पदार्थ पर विभिन्न दृष्टिकोणों से शोध कार्य हो सकता है। एक विकल्प, प्रयोगशाला में ऐसी स्थितियां बनाना भी हो सकता है, जिसके तहत श्याम पदार्थ का अनुकरण किया जा सके। अमेरिका के अलाबामा विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की डॉ. सुकन्या चक्रवर्ती के नेतृत्व में एक शोध टीम ने पल्सर कहलाने वाले तारों को अपनी शोध का आधार बनाया।

पल्सर ऐसे न्यूट्रॉन तारे हैं, जो अतिशय शक्तिशाली चुम्बकीय बलक्षेत्र वाले होते हैं और बहुत तेजी से घूम रहे होते हैं। डॉ. सुकन्या चक्रवर्ती के निर्देशन में उनकी शोध टीम ने हमारी आकाशगंगा में श्याम पदार्थ के उस स्थानीय घनत्व को मापा, जो बहुत तेजी से घूर्णन कर रहे एकल पल्सर तारों के कारण बना होगा। पल्सर तारे आम तौर पर जुड़वां तारे होते हैं, पर इस टीम ने एकल तारों के घूर्णन वाले प्रभाव को चुना। डॉ. सुकन्या चक्रवर्ती की टीम, कुल मिलाकर एक किलोग्राम से कुछ कम डार्क मैटर का पता लगाने में सफल रही। आकाशगंगा में जिस जगह शोधकर्ताओं ने श्याम पदार्थ की खोज की, उस जगह का आकार हमारी पृथ्वी के लगभग बराबर था। इसका एक अर्थ यह भी लगाया जा सकता है कि किसी अबूझ पहेली जैसे, अब तक बहुत कम शोधित, किंतु ब्रह्मांड में सर्वत्र व्याप्त माने जाने वाले श्याम पदार्थ की यह मात्रा तो बहुत कम है, लेकिन यह सोचने पर कि सर्वत्र व्याप्त जो चीज अब तक मिल ही नहीं रही थी, अबूझ पहेली बनी हुई थी, उसका कुछ भी अता-पता मिलना श्भागते भूत की लंगोटीश मिलने के समान है। यह खोज वैज्ञानिकों द्वारा पल्सरों के बीच की परस्पर क्रिया से बनी गुरुत्वाकर्षण तरंगों को मापने के कारण संभव हुई। मापे गए परिणामों की बार-बार जांच करके, वे अंततः श्याम पदार्थ के अस्तित्व का संकेत देने वाली गुरुत्वाकर्षण तरंगों में विघ्न का पता लगाने में सक्षम हुए। बाकी सभी संभवनाओं के खघ्त्म हो जाने के बाद प्रयोगशाला में श्याम पदार्थ की केवल 1 किलोग्राम मात्रा ही बची थी।

इस खोज में शामिल शोधकर्ताओं में से एक ने बताया कि पल्सरों के बीच के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र अविश्वसनीय रूप से प्रबल थे। यही एकमात्र तरीका था, जिससे शोधकर्ता टीम के लिए सही विश्लेषण करना और यह बताना संभव हुआ कि ब्रह्मांड में स्याम पदार्थ (डार्क मैटर) का अस्तित्व एक वास्तविकता है।

Woman can't be forced to take virginity test, violates right to dignity

The Chhattisgarh High Court has stated that women cannot be forced to undergo virginity tests, as this violates Article 21 of the Constitution. This article guarantees a woman's fundamental right to protection of life and liberty, including the right to dignity.

The judgment was delivered in response to a criminal petition filed by a man who demanded his wife's virginity test alleging she was in an illicit relationship with another man, challenging a family court's order dated October 15, 2024, which rejected the interim application. The couple got married on April 30, 2023, following Hindu rites. They lived together at the husband's family residence in Korba district. Accusing her husband of impotency, the wife refused to cohabit with him and filed an interim application on July 2, 2024, under section 144 of the Bharatiya Nagrik Suraksha Sanhita (BNSS) before the family court in Raigarh district seeking maintenance of Rs 20,000 from her husband. In response to the maintenance claim interim application, the petitioner husband sought a virginity test of his wife. He alleged that she was engaged in an illicit affair with her brother-in-law and that their marriage had remained unconsummated.

On October 15, 2024, the family court rejected the husband's request following which he filed a criminal petition in the High Court. The HC noted that the contention of the petitioner demanding a virginity test of his wife is unconstitutional as it violates Article 21 of the Constitution which includes the right to dignity of women. "Article 21 of the Constitution of India not only guarantees the right to life and personal liberty but also the right to live with dignity, which is crucial for women. "No woman can be forced to conduct her virginity test. It is a violation of fundamental rights guaranteed under Article 21. It has to be borne in mind that Article 21 is the 'heart of fundamental rights'," the high court said.

"The right to personal liberty enshrined under Article 21 is non-derogable and cannot be tinkered with in any manner. The petitioner cannot possibly be permitted to subject the wife to undergo her virginity test and fill up the lacuna in his evidence in this regard. "Be that as it may, but in any case, granting the permission for virginity test of the respondent would be against her fundamental rights, the cardinal principles of natural justice and secret modesty of a female," the court stated.

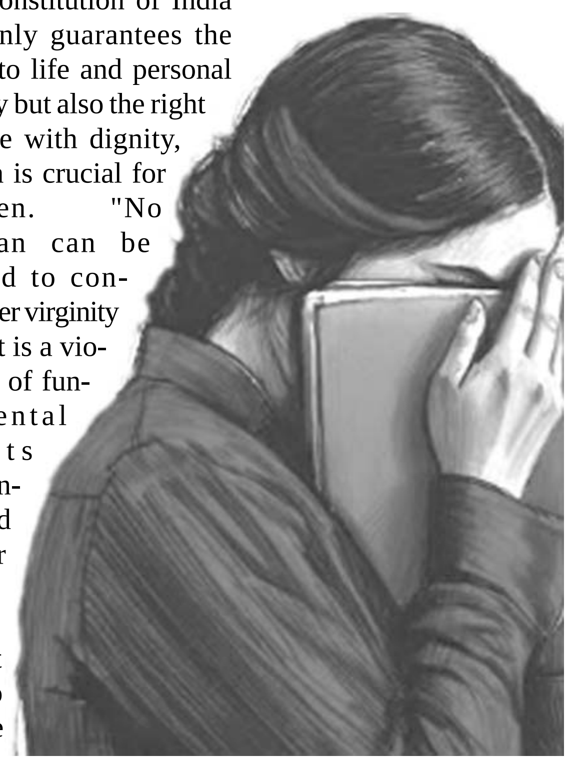

आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के लिए 54,000 करोड़ रुपए के नए हथियार खरीदेगा भारत

भारत ने गुरुवार को 54,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी। इसमें हवाई हमला चेतावनी और नियंत्रण विमान प्रणाली, टॉरपीडो और टी-90 टैंकों के लिए इंजन शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक महत्वपूर्ण कदम के तहत रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने पूंजी अधिग्रहण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में समय सीमा को कम करने के लिए दिशानिर्देशों को भी मंजूरी दी है, ताकि इसे ''अधिक तेज, अधिक प्रभावी और कुशल'' बनाया जा सके। 'अधिक प्रभावी' खरीद प्रक्रिया संबंधी निर्णय 2025 को ''सुधार वर्ष'' के रूप में मनाने की रक्षा मंत्रालय की पहल के अनुरूप है। मंत्रालय ने बताया कि खरीद प्रस्तावों को मंजूरी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डीएसी की हुई बैठक में दी गई।

मंत्रालय के मुताबिक डीएसी ने 54,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि के आठ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को प्रारंभिक मंजूरी प्रदान की। मंत्रालय के मुताबिक भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्लूएंडसी) एयरक्राफ्ट सिस्टम की खरीद पर डीएसी ने अपनी मुहर लगा दी है। एईडब्लूएंडसी प्रणालियां वायुसेना की क्षमता में विस्तार करेंगी। यह युद्ध के सम्पूर्ण परिदृश्य को बदल सकती हैं तथा विभिन्न हथियार प्रणालियों की युद्ध क्षमता को तेजी से बढ़ा सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने टी-90 युद्धक टैंकों को उन्नत करने के लिए 1,350 एचपी इंजन खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। बयान के मुताबिक इससे इन टैंक की युद्धक्षेत्र गतिशीलता बढ़ेगी, विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में, क्योंकि इससे शक्ति-भार अनुपात में वृद्धि होगी। मंत्रालय ने कहा, कि भारतीय सेना के लिए, टी-90 टैंकों के लिए वर्तमान 1,000 एचपी इंजन को उन्नत करने के वास्ते 1,350 एचपी इंजन की खरीद हेतु प्रारंभिक मंजूरी दी गई। बयान के मुताबिक डीएसी ने भारतीय नौसेना के लिए

वरुणास्त्र टॉरपीडो की खरीद के एक अन्य प्रस्ताव पर भी अपनी मुहर लगा दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना के लिए वरुणास्त्र टॉरपीडो (लड़ाकू) की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी डीएसी द्वारा दी गई है। वरुणास्त्र टॉरपीडो नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा विकसित एक स्वदेशी जहाज से प्रक्षेपित पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो है।''

☞ **सैन्य और सौम्य शक्ति :-** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत "बहुध्रुवीय दुनिया" में व्याप्त अनिश्चितताओं के बीच अपनी सैन्य शक्ति और सौम्य शक्ति के बीच संतुलन बनाए रख रहा है। राजनाथ ने मेजर बॉब खाथिंग की याद में नयी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति मजबूत की है। रक्षा मंत्री ने मेजर खाथिंग को "भारत का महान सपूत" करार दिया, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपनी बहादुरी और कूटनीतिक कौशल के जरिये देश के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। राजनाथ ने कहा कि ऐसी महान हस्तियों के आदर्शों और सिद्धांतों को अपनाना लोगों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "आज भारत बहुध्रुवीय दुनिया में व्याप्त अनिश्चितताओं के बीच अपनी सैन्य शक्ति और सौम्य शक्ति के बीच संतुलन बनाए हुए है। यह बहुत गर्व की बात है कि भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। दुनिया के सामने एक नया, सशक्त और संगठित भारत उभरा है। एक दौर था, जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज जब हम बोलते हैं, तो दुनिया सुनती है। यह मेजर खाथिंग के आदर्शों का नतीजा है।" राजनाथ ने याद किया कि उन्होंने पिछले साल अरुणाचल प्रदेश के तवांग में मेजर रालेंगनाओ 'बॉब' खाथिंग वीरता संग्रहालय का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन किया था। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार की विदेश नीति भी मेजर खाथिंग जैसी हस्तियों के कूटनीतिक कौशल से आकार लेती है। राजनाथ ने लोगों से राष्ट्र को हमेशा सर्वोपरि रखने, एकजुट रहने, ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए निडरता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ये सब मेजर खाथिंग के मूल सिद्धांत थे, जो एक असाधारण व्यक्ति थे, जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया था। राजनाथ ने मेजर खाथिंग को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत का सौभाग्य है कि वह ऐसी दिग्गज हस्तियों का देश है, जिनके लिए राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता सर्वोपरि है। भारतीय सेना, असम राइफल्स और थिंकटैंक 'यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई)' की ओर से दिल्ली छावनी में संयुक्त रूप से आयोजित मेजर बॉब खाथिंग स्मारक समारोह के पांचवें संस्करण में उनके जीवन और विरासत का जश्न मनाया गया।

समारोह में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सांसद अल्फ्रेड कन्नगम आर्थर, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा और यूएसआई के महानिदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बीके शर्मा भी मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने न केवल तवांग, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के एकीकरण, विकास और पुनर्निर्माण में मेजर खाथिंग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, "मेजर बॉब खाथिंग ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। पूर्वोत्तर के लिए उन्होंने जो काम किया, वह सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए कार्यों के समान है।

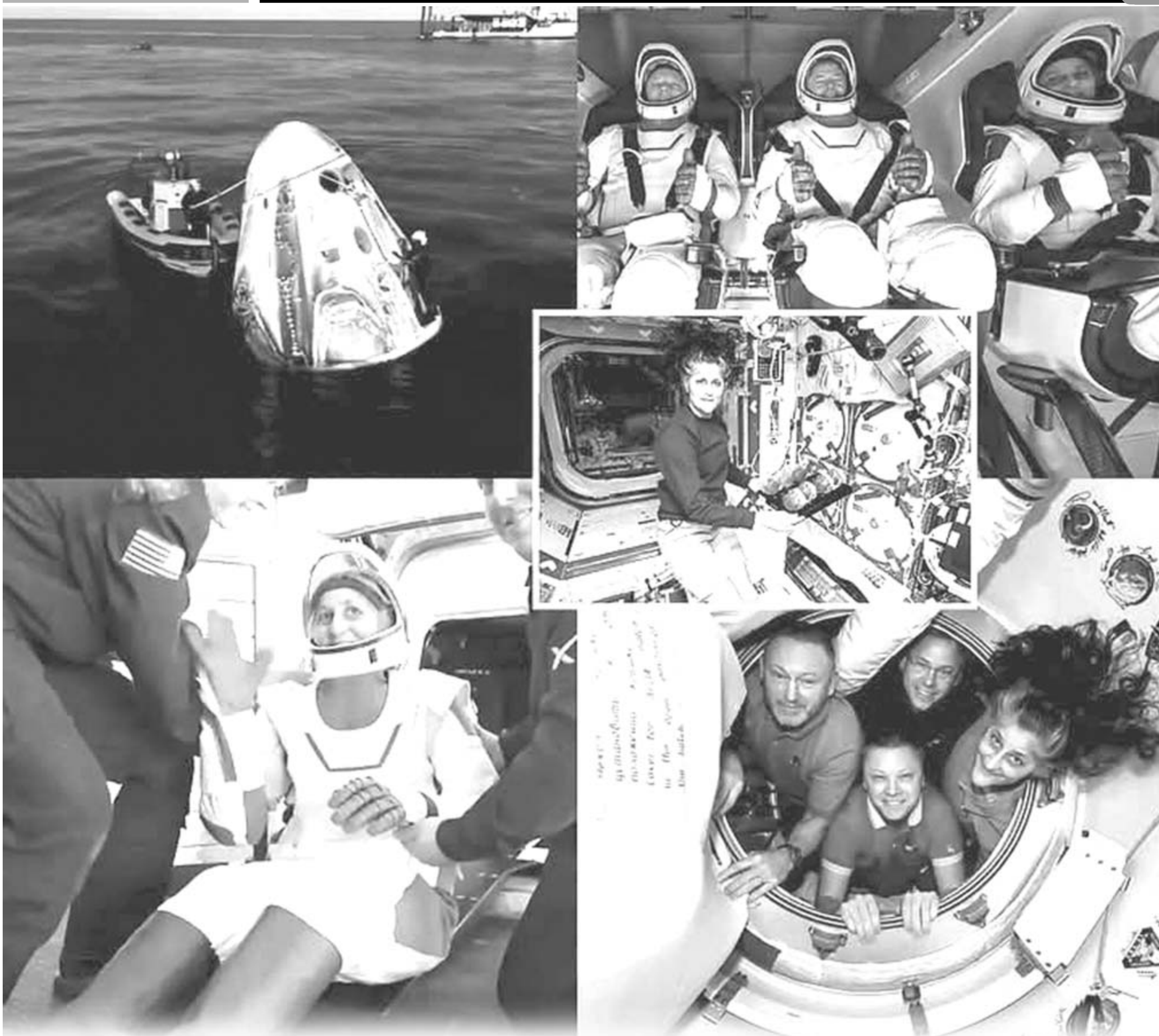

धरती पर लौटे सुनीता विलियम्स समेत 4 अंतरिक्ष यात्री

फ्लोरिडा में क्रूज 9 का सफल स्प्लैश डाउन

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से 9 माह बाद धरती पर लौट आए। नासा ने बयान जारी कर कहा कि सब कुछ प्लानिंग के मुताबिक हुआ। स्पेसएक्स को धन्यवाद। भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर समेत 4 अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर लौट रहा यान तड़के 3. 27 बजे अमेरिका के फ्लोरिडा में समुद्र तल पर उतारा। एक घंटे के भीतर ही अंतरिक्षयात्री अपने यान से बाहर आ गए। उन्होंने कैमरों की ओर देखकर हाथ हिलाए और मुस्कुराए। उन्हें चिकित्सा जांच के लिए स्ट्रेचर पर ले जाया गया। सफल स्प्लैशडाउन के बाद स्पेसएक्स ड्रैगन से सबसे पहले बाहर निकलने वाले अंतरिक्ष यात्री निक हेग रहे। इसके बाद एलेक्जेंडर गुरबोनोव, सुनिता विलियम्स और फिर बुच विल्मौर यान से बाहर निकले। क्रू 9 की धरती पर वापसी के बाद नासा ने एक बयान जारी कर कहा कि 4 अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर मिशन 9 क्रू धरती पर वापस लौटा। सब कुछ प्लानिंग के मुताबिक हुआ। हमें अपनी टीम पर गर्व है। स्पेसएक्स को धन्यवाद। सफल वापसी के बाद स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि स्पेसएक्स और नासा की टीमों ने एक और सुरक्षित अंतरिक्ष यात्री वापसी कराने में सफलता पाई है। इसके लिए बधाई। उन्होंने इस मिशन को प्राथमिकता देने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद भी दिया। विल्मोर और विलियम्स ने अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए। उन्होंने पृथ्वी की 4,576 बार परिक्रमा की और स्पलैशडाउन के समय तक 12 करोड़ 10 लाख मील की यात्रा की। कैलिफोर्निया में स्पेसएक्स मिशन कंट्रोल ने रेडियो पर कहा स्पेसएक्स की ओर से आपका घर वापसी पर स्वागत है।

सुनीता की सफल वापसी के बाद गुजरात के मेहसाणा में उनके पैतृक गांव में जमकर जश्न बना।

गौरतलब है कि सुनीता विलियम्स, भारतीय मूल की मशहूर अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री, जिन्होंने अंतरिक्ष में अपने साहस और समर्पण से दुनिया का दिल जीता, आज एक अनोखी चुनौती का सामना कर रही हैं। 5 जून 2024 को शुरू हुआ उनका मिशन, जो महज 8 दिनों का होना था, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण 9 महीने से अधिक समय तक खिंच गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसी सुनीता और उनके साथी बुच विलमोर की वापसी की राह आसान नहीं थी। 19 मार्च 2025 को उनकी धरती पर वापसी तय हुई, लेकिन इस यात्रा में कई खतरे छिपे हैं। यह कहानी उन खतरों की पड़ताल करती है, जो सुनीता की वापसी को जोखिम भरा बना रहे हैं।

☞ **अंतरिक्ष में फंसने की शुरुआत :** सुनीता और बुच बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से आईएसएस के लिए रवाना हुए थे। यह मिशन नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य निजी कंपनियों के साथ मिलकर अंतरिक्ष यात्रा को सस्ता और सुरक्षित बनाना था। लेकिन मिशन शुरू होते ही स्टारलाइनर में समस्याएं उभरने लगीं। पहले तो इसके थ्रस्टर्स में खराबी आई, फिर हीलियम लीक की खबरें सामने आई। एक प्रॉपेलेंट वॉल्व भी पूरी तरह बंद नहीं हो सका। इन खामियों के कारण स्टारलाइनर को वापस लाने का प्लान रद्द करना पड़ा और इसे बिना चालक दल के पृथ्वी पर उतारा गया। सुनीता और बुच को स्पेसएक्स के ड्रैगन यान से वापस लाने की योजना बनाई गई, लेकिन यह नया रास्ता भी अपने जोखिमों से भरा है।

☞ **खतरा नंबर 1, अंतरिक्ष यान की तकनीकी खराबी :** स्पेसएक्स का ड्रैगन यान भले ही विश्वसनीय माना जाता हो, लेकिन

अंतरिक्ष यात्रा में कोई भी तकनीकी गड़बड़ी जानलेवा साबित हो सकती है। क्रू-10 मिशन, जो सुनीता को वापस लाने के लिए 15 मार्च 2025 को लॉन्च हुआ, को हाइड्रॉलिक सिस्टम में समस्या के कारण पहले स्थगित करना पड़ा था। अगर ड्रैगन यान में कोई खराबी होती है, चाहे वह एयरलॉक सिस्टम हो, थर्मल शील्ड हो या पैराशूट सिस्टम, तो सुनीता और उनके साथियों की जान खतरे में पड़ सकती है। अंतरिक्ष से पृथ्वी की सतह तक पहुंचने के लिए यान को 27,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वायुमंडल में प्रवेश करना होगा। इस दौरान थर्मल शील्ड के फेल होने पर यान जल सकता है, जैसा कि 2003 में कोलंबिया अंतरिक्ष यान हादसे में हुआ था।

☞ **खतरा नंबर 2, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर :** सुनीता और बुच पिछले 9 महीनों से जीरो ग्रैविटी में रह रहे हैं। इस लंबे समय ने उनके शरीर पर गहरा असर डाला है। विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने से मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, हड्डियों का घनत्व घट जाता है और रक्त संचार प्रभावित होता है। जब वे पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण में लौटेंगे, तो उनके शरीर को फिर से ढलने में समय लगेगा। चलने-फिरने में दिक्कत, चक्कर आना और यहां तक कि बेहोशी का खतरा भी हो सकता है। इसके अलावा, इतने लंबे समय तक अंतरिक्ष में अलग-थलग रहने से मानसिक तनाव भी बढ़ा होगा। वापसी के दौरान अगर कोई आपात स्थिति आती है, तो कमजोर शारीरिक और मानसिक हालत उनके लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

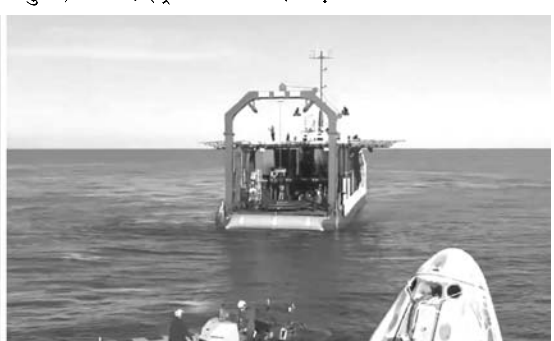

☞ **खतरा नंबर 3, अंतरिक्ष मलबा और मौसम की अनिश्चितता :** अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े मलबे (स्पेस डेब्रिस) मौजूद हैं, जो पुराने सैटेलाइट्स और रॉकेट्स के टुकड़े हैं। ये मलबे 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चक्कर लगा रहे हैं। अगर ड्रैगन यान का इनसे टकराव होता है, तो यान को भारी नुकसान पहुंच सकता है। नासा और स्पेसएक्स इन मलबों पर नजर रखते हैं, लेकिन छोटे टुकड़ों को ट्रैक करना मुश्किल होता है। इसके अलावा, पृथ्वी पर लैंडिंग के लिए मौसम का सही होना जरूरी है। समुद्र में लैंडिंग के लिए शांत लहरें और साफ आसमान चाहिए। अगर मौसम खराब होता है, तो लैंडिंग टालनी पड़ सकती है, जिससे सुनीता को और इंतजार करना होगा।

☞ **खतरा नंबर 4, लैंडिंग के दौरान जोखिम :** ड्रैगन यान समुद्र में पैराशूट की मदद से उतरेगा। यह प्रक्रिया अपने आप में जोखिम भरी है। अगर पैराशूट सही समय पर नहीं खुलता या उलझ जाता है, तो यान समुद्र में तेजी से टकरा सकता है। 2021 में स्पेसएक्स की एक लैंडिंग के दौरान पैराशूट में देरी हुई थी, हालांकि तब कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन सुनीता और बुच की मौजूदा शारीरिक स्थिति को देखते हुए, कोई भी झटका उनके लिए खतरनाक हो सकता है। इसके बाद उन्हें समुद्र से निकालकर मेडिकल जांच के लिए ले जाना होगा, जिसमें किसी भी देरी से उनकी हालत बिगड़ सकती है।

सुनीता की वापसी की खबर ने भारत और अमेरिका में उत्साह के साथ-साथ चिंता भी पैदा की है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी सलामती की दुआएं मांग रहे हैं। वहीं, वैज्ञानिक समुदाय भी इस मिशन पर नजर रखे हुए है। 19 मार्च 2025 को सुनीता और बुच ड्रैगन यान में सवार होकर आईएसएस से रवाना हुए। उनकी यात्रा करीब 6 घंटे की थी, जिसमें वे पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किये और फिर फ्लोरिडा के तट पर समुद्र में उतरें।

नासा और स्पेसएक्स की टीमें हर कदम पर नजर रख रही थी, लेकिन अंतरिक्ष की अनिश्चितता कोई भी भविष्यवाणी मुश्किल बना देती है। क्या सुनीता सुरक्षित लौटेंगी? यह सवाल हर किसी के मन में था। पूरी दुनिया उनकी सलामती की दुआ कर रही थी और यह मिशन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल बना।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और 'क्रू-9' के सदस्यों का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से लंबे समय बाद पृथ्वी पर लौटने पर स्वागत किया और कहा कि उनका अटूट दृढ़ संकल्प लाखों लोगों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्वागत है, क्रू9! पृथ्वी ने आपको याद किया। यह धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा थी। सुनीता विलियम्स और 'क्रू9' अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया कि दृढ़ता का असली मतलब क्या है। विशाल अज्ञात के सामने उनका अडिग दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस रखना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पथप्रदर्शक और आदर्श सुनीता विलियम्स ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण पेश किया है। हमें उन सभी पर गर्व है, जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने दिखाया है कि जब सटीकता जुनून से मिलती है और प्रौद्योगिकी दृढ़ता से मिलती है, तो क्या होता है। गौरतलब है कि नासा से जुड़े अंतरिक्ष यात्री विलियम्स, निक हेग और बुच विल्मोर तथा रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर पृथ्वी पर लौट आए। यह यान समुद्र में फ्लोरिडा के तलाहासे अपतटीय क्षेत्र में उतरा।

What is wrong with our children?
Do not run away from responsibility

● **Nelvin Wilson**

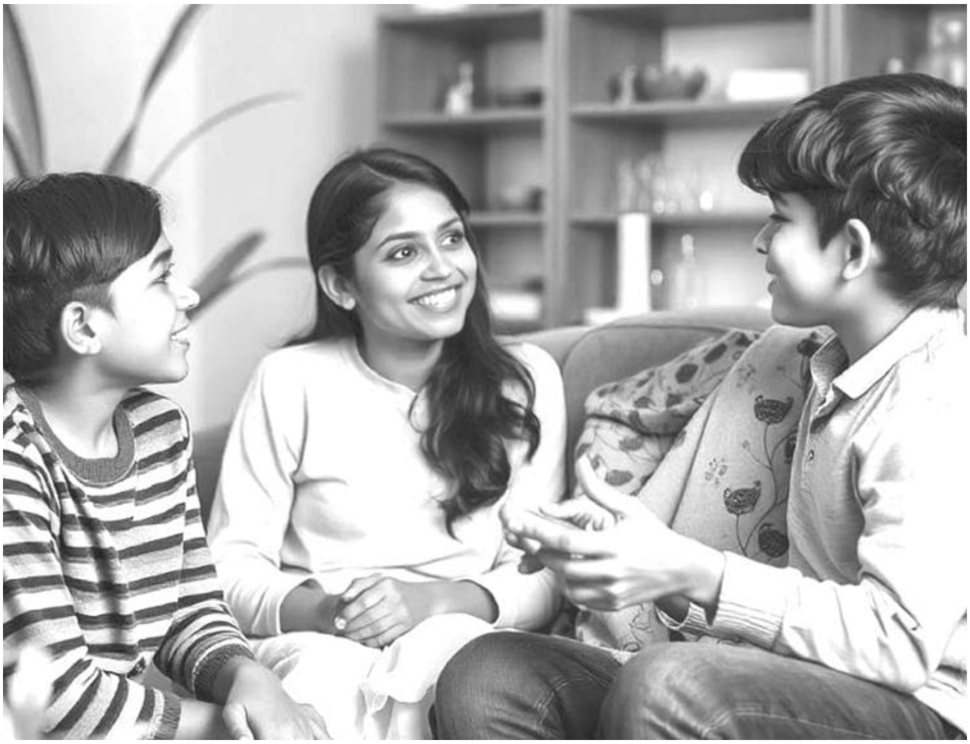

Recently, society has been using a shallow approach to deal with unfortunate events involving children and teenagers. All of these issues should be evaluate very seriuosly and determine their root cause. But instead of that we are doing some cherry-picking corrections. When an entire generation is portrayed as 'troublemakers' and 'criminals' the current situation is getting worse. All chances of reviving children are eliminated when we attempt to engage with them in a more hostile manner. We should understand that 'children are not our enemies'. Our system is also responsible for creating so much chaos and violence in children. Caregivers, from parenting to teaching, cannot shirk away from their responsibility. We have to put our hands together and correct it from the roots.

Not Only In Kerala, It Is A Global Scenario

This is not only in Kerala but across the World. This is a global issue that needs to be discussed. On September 5, 2024, four people, including two students, were killed in a school shooting in Georgia, America. The accused is a 8th class student of the same school. This student was coming to school with a gun that his father had gifted on birthday. Since then, there have been reports of students bringing guns to class at other schools in the United States.

According to the World Health Organization (WHO), 40% of global homicides occur between the ages of 15 and 29. Studies conducted in 40 developing countries show that 42 percent of boys and 37 percent of girls are subjected to physical bullying. The same age groups are the convicts. Therefore, the whole world should take the increasing criminal mentality among children and youth very seriously and find solutions. In this Modern World Evrything is accessible to our children. So these problems are outcome of that 'accessibility'. But unfortunately, irrespective of these facts, we are approaching it as a special 'phenomenon' seen only in Kerala or India.

Unhealthy Competition Spirit in Children

The unhealthy competitive spirit and alienation tendency is developing in children by parents and teachers. Even a child studying in LKG or UKG is facing same problem. They will be compared with other students by elders. This can lead to unhealthy competition among children. To get a clear picture of the unhealthy competition that parents and teachers create among children, it is enough to look at the school arts festivals in Kerala. When you compare your child with another child in the name of talent it can be lead to discrimination and as well as unhealthy competition spirit.

There are parents in this country who forbid even the friendship of their

children in the name of caste and religion. I know a man who forbid his daughter from eating food brought by some of her classmates of a particular religion. Following her father's stern reprimand, the girl skipped lunch with some of her friends. There are lot of parents who are advising their children that 'don't get too close to that child', and 'don't join with that group' on the basis of social status and religion. In this way, parents eliminate the child's instinctive desire to accept friendships.

Parents Are In A Busy World

I know a six-year-old boy who is addicted to mobile phone. His parents complain that he needs a mobile phone while eating, sleeping and even to study. Once I got an opportunity to take care of that child. He was with me for about five or six hours. I started talking to him about his class, friends and teacher. He was very happy to tell every story. He talked about what he had learned in school and his friends. He was very enthusiastic to talk more and share all his interests. We talked about his favourite foods while eating. He never asked me to get mobile phone during these conversations. That means he is very much interested in talking. A child who wants to socialize could be very vibrant and active when he gets the opportunity to do so. If his / her surroundings are not giving the opportunity to socialize he/ she could be more dull. It leads them to mental depression.

Children are generally good at socializing. When we talk to them, we have to grow into their 'childishness', they want it well. A large percentage of parents fail to do this, which negatively affects the mental development of children. Parents need to take their children more seriously. I'm usually a little obsessed with mobile phones. First of all, I consider this mobile phone addiction as one of the shortcomings that must be corrected when becoming a parent in the future. If we can't spend time with our children and listen to them patiently, we shouldn't take on the heavy responsibility of parenting. Quarrels between parents can also affect a child's mental health. Children always observe what is happening around them. Parents who are constantly fighting are pushing that child's future into 'darkness'.

Understand The Cultural Shift

We need to address these issues by understanding the cultural shift that is happening all over. The world of possibilities are huge infront of children, there are good and bad in it. It is the duty of all parents, teachers and caregivers to educate their children about what is needed and what is needless. We live in a culture where children are isolated. Even we can't define peer groups of children. Sometimes there is less possibility of such a peer group among current generation. At a time when society was more open, children had a large number of 'comfort spaces' like peer group, cultural clubs and different friend circles. But now a days children has only limited access of friends circle. When you completely destroy children's opportunities to celebrate friendships and to participate in groups, you are ruthlessly destroying their sense of community.

A society that makes children apolitical

Today's society has been shaped by politics. Politics is not just about supporting a political party. Politics means social awareness that includes all the people arround me. Those who are politically literate can only make social interventions and define a broader world that includes all categories of people. This political consciousness is being erased from children due to the interference of care givers. Parents, teachers and other care givers are

trying to make children apolitical which leads to a narrow minded society!

Children are highly sensitive

Children are very emotional. They don't have the same emotional intelligence as adults. Therefore, we should be very careful about the each words and deeds which we express infront of children. They are very sensitive and observe what is happening around them. Parents, teachers and caregivers will influence them. Therefore, understand that children are not the only ones responsible for their mistakes. They will repeat what all things happening arround them. Just think, how much of a struggle does a child go through when he/she sees his father and mother fighting everyday? This affects the mental health of a child adversely. From this perspective, only we can discuss how movies and mobile games affect children.

Parents should be aware of what your children watch, what they hear, and what inspires them. Recently, a Malayalam film with an A-certificate which has high amount of violence and bloodshed was a huge success in theaters. There was a shocking news where an adult woman felt discomfort inside the theater after watching some scenes of this film. A few days ago, after the OTT release of this movie one image go viral in social media. A child who looks like one or two year old watching this film in mobile phone. Parents itself posted that photograph in instagram with proud. As I said earlier there are many scenes in this film which even makes discomfort an adult. At least until the end of lower primary education, parents should be able to monitor their children's health by being more attentive to what they watch, hear and enjoy.

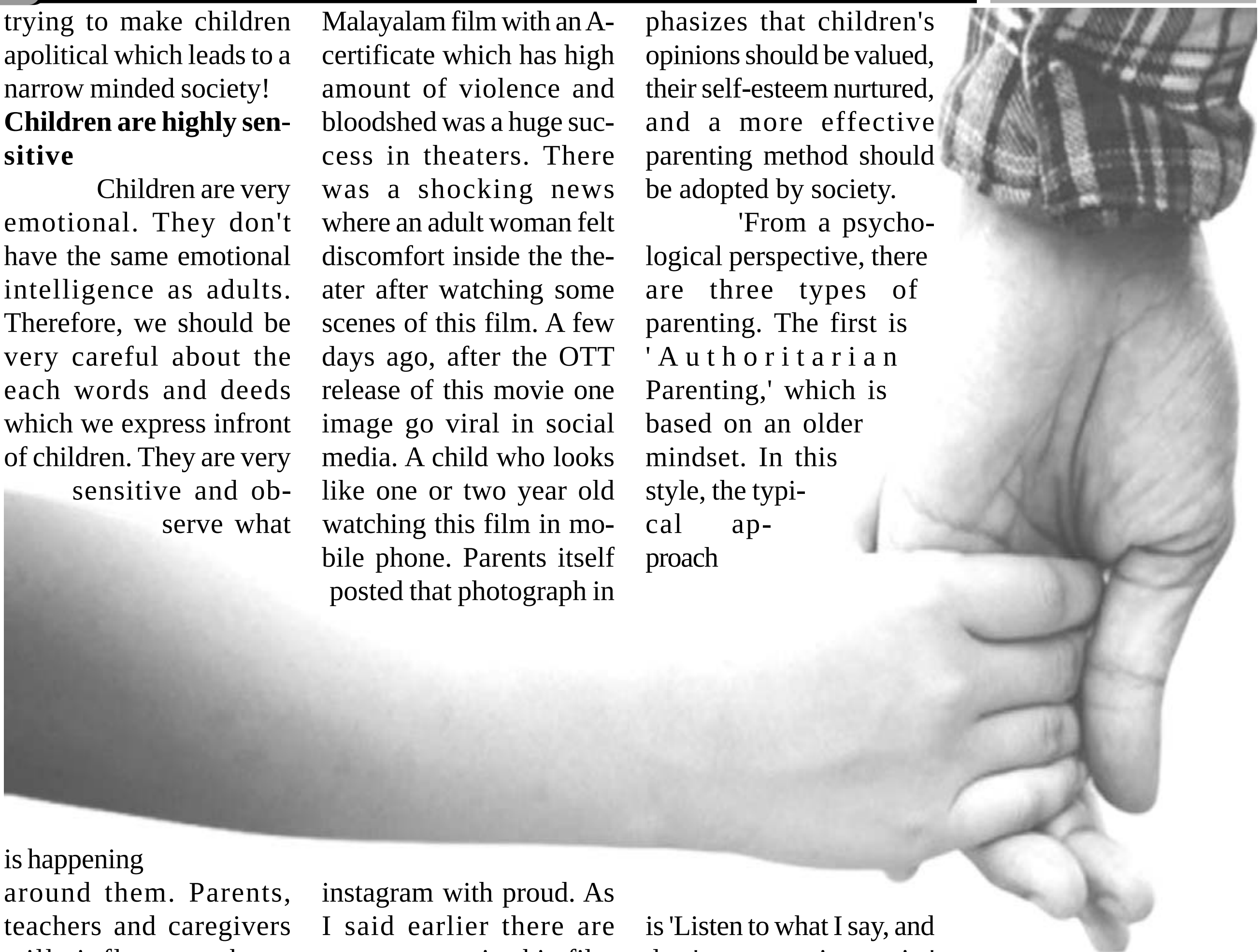

Be A Authoritative Parent : What psychology says

In accordance with changing times, there needs to be a shift in the methods of discipline and training provided to children, says Dr. M. Tom Varghese, Associate Professor of Psychiatry at the Government Medical College, Kozhikode. He emphasizes that children's opinions should be valued, their self-esteem nurtured, and a more effective parenting method should be adopted by society.

'From a psychological perspective, there are three types of parenting. The first is 'Authoritarian Parenting,' which is based on an older mindset. In this style, the typical approach is 'Listen to what I say, and don't question it.' Children's opinions are not given much value, and parents make all the decisions. If something goes wrong, children are immediately scolded or punished. After giving a punishment, parents will then ask, 'What's the matter?' This is a group-oriented approach to parenting. The second type is 'Permissive Parenting.' This is the opposite of the previously mentioned approach, and is commonly found among the newer generation of parents. It is a style that grants total freedom without considering what is right or wrong. In this approach, children are given what they ask for, without question. If children behave poorly or make mistakes, parents do not correct them. Both of these methods are harmful to children's growth,' Dr. Tom Varghese explained.

'The problem with Authoritarian Parenting is that children are not able to form their own opinions or make their own decisions. They only make decisions based on what their parents say. Not only are they unable to make decisions about the future, but they also struggle to develop their own identity.

Children raised with this style may grow up to harbor resentment or hatred. This frustration may lead them to engage in antisocial activities or develop a dependence on substances. On the other hand, the issue with Permissive Parenting is that because parents tend to fulfill all the demands of their children, these children may grow up believing that the world will always cater to them. They may develop a false sense of self-confidence, believing they can achieve anything they desire. However, this will not always be the case, and when their expectations are not met, it can result in mental distress. These children are often less equipped to handle life's challenges. In the long run, they may struggle with depression or fall into substance abuse. Neither of these parenting methods is suitable for today's modern world.'

'What is needed instead is 'Authoritative Parenting,' which lies between Authoritarian Parenting and Permissive Parenting. This method combines the good sides of the two approaches. Instead of punishing a child immediately for making a mistake or refraining from punishment altogether, the parent should first talk to the child about the issue. Ask questions such as 'Why did you do this?' or 'Can you say what is the good way to deal with it?' like that. By understanding the child's perspective, the parent can correct the behavior and provide an appropriate, constructive punishment. The child needs to understand on their own that their actions were wrong. Instead of forcing a child to do something with sheer willpower, the parent should be open to discussing the matter and hearing the child's opinions. Not only parents but also other elders in the household should adopt this approach. When children understand why a rule is in place or why they are being disciplined, the impact of the discipline will be stronger. When children are given space and listened to, they develop self-esteem. According to psychological research, Authoritative Parenting is found to yield better outcomes,' he added.

Children moving 'from box to box': CM's speech

The speech delivered by Kerala Chief Minister Pinarayi Vijayan in the Legislative Assembly, when discussing issues related to children, was very much meaningful. He emphasized that children seem to be living in a 'box' and that society must be ready to change as a whole. A relevant excerpt from the Chief Minister's speech is as follows :

'Every place is like a box. A room in the house is a box, the school bus is another box, and when you get off, the classroom is yet another box. Children's childhood is being confined within such boundaries. The focus is entirely on education. There is no time for children to play, to live in the age meant for play and growth. From a very young age, children are pressured to learn a great deal, and the society is obsessed with pushing them into learning without respite. This thinking is leading to the loss of a child's childhood. The child's mind is shaped in a specific manner—a closed mind, where everything is about learning, and beyond that, nothing else matters. This is what we generally observe today. When children return home after the day's activities, there may be no one to share their joys or sorrows with. In some homes, even the parents have no time to speak to each other. Each person lives in their own private world. Sometimes it may be a TV serial, or they may be engrossed in their phones. For the child, this situation feels like a kind of abandonment—an emotional neglect. It is essential for parents to realize how they must become better caregivers and what they can do for their children. This awareness needs to be spread throughout society,' said the Chief Minister.

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

✯ फरलो क्या होता है?

जो भी जेल के अंदर होता है, उन्हें एक साल के अंदर 70 दिन की पैरोल दी जाती है। इसी के साथ कैदी को 21 से 28 दिन की फरलो मिलना उनका अधिकार है। आम आदमी के कार्यकाल में फरलो का मतलब अनुपस्थिति की छुट्टी देना है। हालाँकि कानूनी शब्दों में यह जेल से एक दोषी को एक निर्दिष्ट समय अवधि के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी देने को संदर्भित करता है। प्रत्येक राज्य के जेल नियमों में फरलो देने के नियम और प्रक्रिया निर्धारित की गई है। हालाँकि फरलो की व्यापक अवधारणा सभी राज्यों में समान रहती है और केवल इसे करने की प्रक्रिया अलग-अलग राज्यों में भिन्न होती है।

✯ कैदी के लिए फरलो क्या है?

फरोल आमतौर पर उस कैदी को दी जाती है जिसे काफी लंबे वक्त के लिए सजा मिली हो. फरलो को कैदी की सजा में छूट और उसके अधिकार के तौर पर देखा जाता है. एक कैदी को फरलो देने के लिए किसी कारण की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन परोल के लिए कारण होना काफी जरूरी है।

✯ पैरोल क्या है?

पैरोल आपराधिक न्याय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसका अर्थ होता है किसी सजायाफ्ता कैदी को सजा पूरी होने से पहले कुछ वक्त के लिए या पूरी तरह रिहा कर दिया जाना। हालांकि पैरोल देते वक्त कैदी के अच्छे व्यवहार को ध्यान में रखा जाता है। साल 1894 के जेल अधिनियम और 1900 के कैदी अधिनियम के तहत पैरोल की प्रक्रिया निर्देशित होती है। इसी के मुताबिक हर राज्य में पैरोल दिशा-निर्देशों का अपना सेट होता है, जो एक-दूसरे से थोड़ा भिन्न होता है। पैरोल सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका मकसद कैदियों को समाज से फिर से जोड़ना होता है। ये दो प्रकार का होता है- कस्टडी पैरोल और रेगुलर पैरोल । कस्टडी पैरोल के अंतर्गत दोषी अथवा अपराधी को किसी विशेष स्थिति में जेल से बाहर लाया जाता है, और उस समय वह पुलिस कस्टडी में ही रहता है। पुलिस का सुरक्षा घेरा उसके साथ होता है, जिससे कि वह फरार ना हो सके। इस प्रकार की पैरोल अपराधी को तब दी जाती है, जब उसके परिवार में किसी खास रिश्तेदार की मौत हो जाती है, या फिर उसके परिवार में किसी विशेष व्यक्ति की शादी होती है। उसके परिवार में यदि कोई बीमार होता है, या फिर कोई भी ऐसी परिस्थिति जो कि अपराधी के लिए बहुत आवश्यक है, तो उस अपराधी को पैरोल पर कुछ घंटों के लिए बाहर लाया जाता है।

रेगुलर पैरोल की स्थिति में वह अपराधी जिसे सजा सुनाई जा चुकी होती है, तो वह रेगुलर पैरोल के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए आवश्यक है, कि वह अपराधी कम से कम एक साल की सजा जेल में काट चुका हो, और जेल में उस अपराधी का व्यवहार अच्छा हो। इसके अलावा यदि वह पहले भी जमानत पर रिहा हो चुका है तो उसका ऐसा रिकॉर्ड होना चाहिए कि उस जमानत के दौरान अपराधी ने कोई अन्य अपराध ना किया हो। रेगुलर पैरोल एक साल में कम से कम एक महीने के लिए दी जा सकती है। रेगुलर पैरोल भी कुछ खास परिस्थितियों में ही दी जा सकती है। उदाहरण के तौर पर सजायाफ्ता के परिवार में कोई बीमार हो, किसी विशेष व्यक्ति का परिवार में विवाह हो या फिर किसी परिस्थिति में मकान की मरम्मत करानी बहुत जरुरी हो, यदि परिवार में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो गयी हो, यदि पत्नी गर्भवती हो और डिलीवरी होनी हो और घर में कोई और व्यक्ति देख रेख के लिए ना हो और इसके अलावा किसी और प्रकार का ऐसा काम हो जिसे पूरा किया जाना अपराधी के लिए जरुरी हो जैसे कि अपना वसीयत तय करना। इसके अलावा भी रेगुलर पैरोल मिलने के लिए कई कानूनी नियम एवं शर्तें होती हैं। उदाहरण के लिए राम रहीम को रेगुलर पैरोल पर ही छोड़ा गया था। कुछ ऐसी भी परिस्थितियां होती हैं जब पैरोल के आवेदन को अस्वीकार किया जा सकता है उदाहरण के तौर पर :-

1. अगर अपराधी का व्यवहार जेल में संतोषजनक ना हो
2. यदि अपराधी पहले कभी पैरोल पर बाहर आया हो और उसने पैरोल की शर्तों का का उल्लंघन किया हो
3. बेहद ही गंभीर अपराध किया हो जैसे कि बलात्कार के बाद हत्या, देशद्रोह और आतंकवादी गतिविधि में शामिल होना आदि

पैरोल के जैसा ही एक फरलॉ होता है इसमें भी कैदियों को कुछ समय के लिए रिहा किया जाता है। लेकिन पैरोल और फरलों में कुछ मूलभूत अंतर होता है जैसे कि पैरोल किसी भी कैदी का अधिकार नहीं होता जबकि फरलॉ कैदी का अधिकार माना जाता है। पैरोल मिलने की कुछ उचित वजह होती हैं और रिहाई के बाद दोषी को तय वक्त में अधिकारियों के आगे हाजिरी लगानी होती है। वहीं फरलॉ लंबे वक्त के लिए सजा काट रहे कैदियों को एक तय समय में दी जाने वाली छुट्टी होती है। इसका मकसद लंबे वक्त तक सजा काटने से पड़ने वाले बुरे असर को दूर करना और सामाजिक रिश्ते बनाए रखना होता है। फरलॉ को सजा में माफी के तौर पर भी देखा जाता है।

आवश्यकता

अगर आप में है आत्मविश्वास और तीव्र इच्छा, तो मौका है इसे पूरा करने का....

बिहार की सबसे लोकप्रिय पत्रिका

केवल सच

और

केवल सच TIMES

को बिहार के हर जिले, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर संवाददाता, विज्ञापन प्रतिनिधि (डोर टू डोर मार्केटिंग) एवं प्रसार के कार्य के लिए परिश्रमी एवं जुझारू युवक/युवतियों की आवश्यकता है।

योग्यताः-

जिला ब्यूरो	प्रखंड संवाददाता	पंचायत संवाददाता	विज्ञापन प्रतिनिधी
स्नातक उतीर्ण	स्नातक/इंटर	स्नातक/इंटर/मैट्रिक	स्नातक/इंटर/मैट्रिक

संपर्क करे:-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, कंकड़बाग

पटना-20, मो.- 9431073769, 9955077308

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Industrial area, Fatuha-803201

E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com

Phone No.:0162-3500233/2950008